

एक तरफ भुगतान रोका तो दूसरी ओर विरोध में उतरे अस्पताल संचालक

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

आयुष्मान भारत योजना के तहत महीनों से लंबित भुगतान और एनएबीएच एफ्रेडिटेशन को अनिवार्य करने के विरोध में प्रदेश भर के चिकित्स एवं निजी अस्पताल संगठन एक मंच पर आ गए हैं। रविवार को राजधानी में विभिन्न प्रमुख चिकित्सा एवं अस्पताल संगठनों की संयुक्त प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित हुई। जिसमें बड़ी संख्या में अस्पताल संचालकों, चिकित्सकों और संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक में शामिल डॉ जीपी पालीवाल, डॉ धनंजय मिश्रा, आईएमए डॉ चंदेल, डॉ पंकज शर्मा ने बताया कि बैठक में प्रदेश की स्वास्थ्य नीतियां, आयुष्मान संकट एवं चिकित्सा समुदाय की समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि नए-नए कानून बताकर आयुष्मान योजना के

आयुष्मान योजना से निजी अस्पताल परेशान, सात महीने से नहीं हुआ आयुष्मान योजना का भुगतान



राजधानी के एक होटल में अस्पताल संगठनों की संयुक्त प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित हुई।

तहत अस्पतालों का भुगतान सात माह से भी अधिक समय से लंबित है। अस्पताल पहले ही मरीजों के उपचार, दवा, जांच, ऑपरेशन, डॉक्टरों व स्टाफ के वेतन का खर्च अपने संसाधनों से वहन कर चुके हैं। लेकिन महीनों बाद भी भुगतान

नहीं होने से उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। बैठक में शामिल डॉ दीपक गर्ग ने कहा कि एक अक्टूबर को प्रदेश के सभी चिकित्सक संघ आयुष्मान कार्यालय में अधिकारियों से आयुष्मान योजना के संबंध में चर्चा करेंगे।

नवजात बेटियों को कपड़े बांटकर अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस मनाया



भोपाल। रविवार को देश के कोने-कोने में अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस मनाया गया। इसी क्रम में विदिशा जिले के गंज बासोदा के सिविल अस्पताल में नवजात बेटियों को कपड़े बांटकर दुनियाभर की बेटियों के अच्छे स्वास्थ्य लाभ के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। 'बेटियों को जीने दो' के गुप प्रमुख दी प सिंह ने कुशवाह ने बताया कि गंजबासोदा के सिविल अस्पताल के शिशु वाई से रविवार सहित अन्य दिनों में जन्म लेने वाली नवजात बेटियों की जानकारी ली। बाद में सभी बेटियों को कपड़े भेंटकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुशवाह ने बताया कि वे उनकी बेटी भूमि कुशवाह के चौथे जन्मदिन 2 सितंबर 2021 से बेटी के जन्म पर बेटी को देशभर में फ्री कपड़े दे रहे हैं। वे पहले के माध्यम से लोगों को बेटियों के प्रति लगाव और उन्हें बढ़ावा देने के लिए जागरूक कर रहे हैं। हम अब तक निजी खर्च से देश के 10 राज्यों की बेटियों को 2408 जोड़ी से ज्यादा कपड़े दे और भेज चुके हैं। इस मौके पर गुप प्रमुख दीपसिंह कुशवाह, पूर्व शिक्षक रघुनाथ सिंह लोधी, गुमान सिंह दांगी, शिक्षक प्रकाश बाबू शर्मा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

विज्ञान मेला: ओरिएंटल के नवाचारों ने खींचा ध्यान
भोपाल। बीवू में आयोजित भोपाल विज्ञान मेला- में ओरिएंटल गुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के विद्यार्थियों ने नवाचार आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। पांच दिवसीय विज्ञान मेले में ओरिएंटल गुप की ओर से छह से अधिक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए। इनमें स्मार्ट वेस्ट सेग्रीगेशन एंड रिसाइकिल सिस्टम, स्मार्ट वेस्ट सेग्रीगेशन मॉनिटरिंग सिस्टम फॉर अर्बन एरियाज, सोवेज ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल, एआई-बेस्ड फार्मर क्वेरी सपोर्ट एडवाइजरी सिस्टम, ऑरा-पेन-केयर एआई और केयरओएस-हेल्थकेयर की एआई लेयर प्रमुख रहे।



हरिभूमि से खास बातचीत में दूर किए भ्रम, कहा-ऐसे तो आप अपने पितृ को नाराज कर रहे हैं...

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

कहते हैं कि पितृ रूठे तो व्यक्ति की वृद्धि-समृद्धि रुक जाती है। यदि ये सब चाहिए तो पिता को प्रसन्न रखना अति आवश्यक है। साल में एक बार पितृपक्ष इसीलिए आता है और माना जाता है कि इन 16 दिन में हमारे पितृ पृथ्वी पर आते हैं और वे हमारे बीच रहते हैं। इसलिए इन दिनों में उनका यथा सम्मान बेहद आवश्यक माना गया है।



जल तर्पण, पिंड दान किया जा सकता है

जब गया जी में उनका श्राद्ध-पिंडदान कर दिया जाता है तो भी क्या पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों के लिए जल तर्पण, पिंड दान किया जा सकता है। इस क्षम को दूर किया है हरिभूमि से विशेष बातचीत में कुमराण, जिला गुणा के वेद विमूषण हेमेंद्र शर्मा ने। वेद विमूषण शर्मा ने बताया कि धर्मशास्त्रों और स्मृति ग्रंथों जैसे स्कंद पुराण, व्याघ्रपाद स्मृति में पितरों की तृप्ति और श्राद्ध कर्म की महिमा का विशेष वर्णन आता है।

माता-पिता का रिश्ता कभी रिटायर नहीं होता

उन्होंने बताया कि सोचिए, अगर आपका बच्चा कहीं दूर चला जाए और सेटल हो जाए, तो क्या वह आपको याद करना बंद कर देता है? बिल्कुल नहीं। ठीक उसी तरह, गया जी में मुक्ति मिलने के बाद भी आपके पितृ हर साल पितृपक्ष के 16 दिनों में अपने बच्चों के द्वार पर सूक्ष्म रूप में यह देखने आते हैं कि उनका कुल उन्हें याद कर रहा है या भूल गया है।

भुगतान रोकना न्यायसंगत नहीं

आयुष्मान योजना में नए-नए कानून बनकर निजी अस्पताल संचालकों को परेशान किया जा रहा है। आयुष्मान योजना के वर्तमान पोर्टल, पुराने पोर्टल और सीपीडी द्वारा रिजेक्ट किए गए सभी वैध क्लेम का भुगतान एक निश्चित समय-सीमा में किया जाए। भविष्य में भुगतान एमओयू के अनुसार हो और देरी पर जवाबदेही तय की जाए। किसी वास्तविक उपचार के बाद केवल तकनीकी या प्रक्रियात्मक कारणों से पूरा भुगतान रोकना न्यायसंगत नहीं है। डॉ राकेश मालवीया, अध्यक्ष, मप्र मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन

एनएबीएच की अनिवार्यता हो समाप्त

आयुष्मान योजना के लंबित भुगतान देने और एनएबीएच की अनिवार्यता को समाप्त करना प्रमुख मांगें हैं। इसके अलावा अस्पतालों के लिए अलग-अलग विभागों से बार-बार लाइसेंस लेने की बजाय सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने और डॉक्टरों पर हिंसा, धमकी की घटनाओं पर डॉक्टरों प्रोटेक्शन एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन की भी मांग उठाई गई। डॉ. विशाल सिंह बघेल, अध्यक्ष, यूनाइटेड प्राइवेट हॉस्पिटल्स डायरेक्टर्स एसोसिएशन

नीलम पार्क में धरने पर जुटे एक हजार से अधिक शिक्षकों का प्रदर्शन जारी टीईटी का विरोध: नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की मांग, खत्म हो ई-अटेंडेंस, मिले पुरानी पेंशन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

प्रदेश के शिक्षकों की चार प्रमुख मांगों को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा का बेमियादी धरना रविवार से राजधानी के नीलम पार्क में शुरू हो गया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से करीब एक हजार शिक्षक आंदोलन में शामिल होने पहुंचे हैं। शिक्षक टीईटी (मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (एमपी टीईटी) की अनिवार्यता खत्म करने, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने, ई-अटेंडेंस व्यवस्था खत्म करने और पुरानी पेंशन लागू करने की मांग कर रहे हैं।

शिक्षकों का कहना है कि वे दो दशक से अधिक समय से सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में अब टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता लागू करना अन्यायपूर्ण है। मोर्चे ने मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है। धरने पर बैठे नरसिंहगढ़ ब्लॉक से आए शिक्षक राधेश्याम कुशवाहा ने कहा कि उनकी भर्ती वर्ष 1998 में उस समय लागू नियमों के तहत हुई थी। अब वर्षों की सेवा के बाद टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता थोपी जा रही है। शिक्षक इसका बहिष्कार कर रहे हैं।

शिक्षक और अधिकारी शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना विज्ञान, शिक्षा और देश की उपलब्धियों को अहमदाबाद में जानेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अहमदाबाद का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है।

रविवार को भोपाल से तीन दिवसीय अहमदाबाद शैक्षणिक भ्रमण के लिए 630 सदस्यीय दल रवाना हुआ। राजधानी के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रविवार को स्कूल शिक्षा विभाग की अपर परियोजना संचालक नंदा भिलवावे कुशारे ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को अहमदाबाद के लिए रवाना किया। इस अवसर



पर आईआरसीटीसी क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेंद्र बोरान भी उपस्थित रहे। टीम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित 520 विद्यार्थी, 104 शिक्षक और स्कूल शिक्षा विभाग के 6 नियंत्रण अधिकारी शामिल हैं। ओलंपियाड में प्रदेश के करीब 65 हजार विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी।

मोर्चा संयोजक एवं राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि मप्र विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव पारित करने और केंद्र सरकार को भेजने की मांग की जा रही



विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग

मोर्चा संयोजक एवं राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव के अनुसार लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त किया जाना चाहिए। इसके लिए मध्यप्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव पारित करने और केंद्र सरकार को भेजने की मांग की जा रही है। भोपाल में आंदोलन को लेकर संयुक्त मोर्चे के संयोजक राकेश दुबे, मनोहर दुबे, परमानंद डेहरिया, राकेश नायक, डीके सिंगौर, राकेश पटेल सहित विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी सक्रिय हैं। धरना मांगों के समाधान तक जारी रखने की बात कही गई है।

पुरानी पेंशन से जुड़ी मांग भी शामिल

धरने में शामिल शिक्षकों ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग भी उठाई है। हरदा जिले से धरने में शामिल हुई करुणा मालवीय ने कहा कि शिक्षकों को सेवा करते हुए करीब 25 साल हो चुके हैं। उन्होंने सवाल

उठाया कि इतने वर्षों तक बच्चों को पढ़ाने के बाद अब शिक्षक टीईटी की परीक्षा दे या बच्चों को पढ़ाए। उन्होंने भी टीईटी खत्म करने, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने और पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की।

अलॉटेड कॉलेज में 1 अक्टूबर तक ले सकेंगे प्रवेश तीन हजार से ज्यादा सीटों पर आयुष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश आज से

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग व राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आयुष कॉलेजों में 28 से 29 सितंबर तक स्नातक स्तर पर दो दिन होंगे।

इसके लिये पं खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरांत औपचारिकता पूर्ण कर अलॉटेड कॉलेज में प्रवेश होंगे। इसी प्रकार स्टेट कोटे की 85 प्रतिशत सीटों में प्रवेश हेतु रिवाइज्ड मरिट सूची के पश्चात सीट आवंटन 28 सितंबर यानी

आज होगा। अलॉटेड कॉलेज में स्नातक में प्रवेश 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक होंगे। आयुष मेडिकल एसो. राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि एम्पी ऑनलाइन के माध्यम से जारी सूची के अनुसार प्रथम चरण की काउंसिलिंग में राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 41 आयुष मेडिकल कॉलेजों की तीन हजार से ज्यादा सीटों पर छात्र काउंसिलिंग से प्रवेश लेंगे। इस दौरान आयुष की ऑल इंडिया कोटा व स्टेट कोटे की काउंसिलिंग है। इसलिए ऐसे प्रयास करना चाहिए कि छात्र फीस को लेकर परेशान न हों।

गया श्राद्ध का असली मतलब क्या है?

वेद विमूषण पं हेमेंद्र ने इस बात पर खास जोर देते हुए कहा कि गया जी में पिंडदान करने से आपके पूर्वजों को 'मुक्ति' का मार्ग मिलता है। वे प्रेत योनि से मुक्त होकर पितृ लोक में स्थान पाते हैं। लेकिन मुक्ति मिलने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि वे आपके कुल के साथ अपना संबंध या आशीर्वाद खत्म कर लेते हैं।

गया जी के बाद भी ये करें

इस सवाल पर वेद विमूषण हेमेंद्र ने कहा कि भले ही आपने गया जी में श्राद्ध करा लिया हो, फिर भी हर साल पितृपक्ष में ये न्यूनतम कर्म अवश्य करें। इनमें उनकी तिथि पर तर्पण और पंचबली - गाय, कुत्ते, कौए, चूँटी और देवताओं के लिए भोजन निकालें। घर में सात्विक माहौल रखें। कम से कम दोपहर के समय उनके नाम का जल सूर्यदेव को समर्पित करें। श्रीमद् भागवत गीता, श्रीमद् भागवत मूल पाठ, श्री विष्णु सहस्रनाम और पितृ गायत्री मंत्र का जाप करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और शुभ, समृद्धि, संपदा एवं कुल वृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।



आयुर्वेद और योग से विकसित की उपचार पद्धति

30 साल से गैस पीड़ितों के समुचित इलाज में जुटा संभावना क्लीनिक



आयुर्वेद, आधुनिक चिकित्सा और योग के जरिए 70 हजार से ज्यादा लोगों को मुफ्त इलाज दिया गया

यूनियन कार्बाइड गैस हादसे के सैकड़ों गैस पीड़ित परिवारों के बच्चे और परिजन सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित परिवारों को इलाज की सुविधा देने वाली संभावना ट्रस्ट क्लीनिक ने रविवार को अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई।

35 हजार की आबादी तक पहुंचा सामुदायिक स्वास्थ्य अभियान

पोपुलर्स मॉल में आये जितने कार्यक्रम में गैस पीड़ित परिवारों के सैकड़ों बच्चों और उनके परिजन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत फिल्म अभिनेत्री सुहासिनी मुले, ट्रस्ट के प्रदाधिकारियों और गैस पीड़ित बुजुर्ग समाजसेवियों ने दीप प्रज्वलित कर की।

कार्यक्रम में गैस पीड़ित परिवारों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान क्लीनिक से जुड़े 30 वर्षों के स्वास्थ्य कार्यों और गैस पीड़ितों के इलाज के अनुभवों की जानकारी भी साझा की गई।

सामुदायिक अभियान से रोकथाम पर जोर

स्वास्थ्यकर्मों कपिल दुबे और तरन्जुम खान ने बताया कि अभियान के दौरान मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के साथ टीबी, गर्भाशय के मुंह के कैंसर और खून की कमी से जुड़े मामलों पर भी काम किया गया। कार्यक्रम में क्लिनिक से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों के 30 वर्षों के योगदान को भी रेखांकित किया गया।

बीमारियों की पहचान में मददगार रहा डेटाबेस

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर प्रेम वंद ने बताया कि क्लीनिक की कम्प्यूटरीकृत चिकित्सा सूचना प्रणाली से गैस पीड़ितों में लंबे समय बाद सामने आने वाली बीमारियों की पहचान करने में मदद मिली। क्लीनिक के अनुसार थायरोइड की गड़बड़ी, लकवा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और गुर्दे से जुड़ी बीमारियां गैस पीड़ितों में सामान्य आबादी की तुलना में अधिक पाई गईं।

भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने बताया सुरक्षित इस्तेमाल का तरीका रिएक्शन होने पर रिपोर्ट करें



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

दवा बीमारी ठीक करने के लिए होती है, लेकिन उसका गलत इस्तेमाल परेशानी बढ़ा सकता है। इसी तरह चिकित्सा उपकरणों के इस्तेमाल में सावधानी नहीं बरतने पर भी मरीज की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

इसी को लेकर एम्स भोपाल ने रातीबड़ में लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया। एम्स भोपाल के औषध विज्ञान विभाग ने सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के सहयोग से आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ में कार्यक्रम आयोजित किया।

उपकरण में गड़बड़ी की करें रिपोर्ट

टीम ने बताया कि सिर्फ दवाओं से जुड़ी प्रतिकूल घटनाओं की ही निगरानी नहीं होनी चाहिए चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी घटनाओं की भी सूचना दी जा सकती है। इसका उद्देश्य दवाओं की पहचान कर मरीजों की सुरक्षा को बेहतर करने है। औषध विज्ञान विभाग मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए औषध सुरक्षा निगरानी कार्यक्रम और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा निगरानी कार्यक्रम के तहत विभिन्न निगरानी और प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में काम करता है। यह अभियान 17 से 23 सितंबर तक मनाए गए छठे राष्ट्रीय औषध सुरक्षा निगरानी सप्ताह का हिस्सा था।

अब 35 वर्ग मीटर वाले रेलवे क्वार्टर के लिए देना होगा 220 के बजाए 280 रुपए मासिक किराया, 1 जुलाई 2026 से लागू मानी जाएगी नई दरें, सैलरी से कटेगा बीते माह का बकाया

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

रेलवे के सरकारी क्वार्टर में रहने वाले कर्मचारियों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। रेलवे बोर्ड ने पूरे देश में रेलवे आवास के मासिक किराए यानी लाइसेंस शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। सबसे खास बात यह है कि नई दरें 1 जुलाई 2026 से लागू मानी गई हैं।

ऐसे में जुलाई से अब तक पुरानी दर से काटे गए किराए और नई दर के बीच का अंतर भी कर्मचारियों से बकाया राशि के रूप में वसूला जाएगा। यह राशि आने वाले वेतन से काटी जा सकती है। रेलवे बोर्ड ने 23 सितंबर 2026 को इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसमें रेलवे के अलग-अलग प्रकार के सरकारी आवासों और उनके क्षेत्रफल के आधार पर नया मासिक किराया तय किया गया है। पिछली बार इन दरों में बदलाव 1 जुलाई 2023 से किया गया था।

रेलवे क्वार्टर में रहने वालों की सैलरी से कटेगा बढ़ा किराया और बकाया

रेलवे बोर्ड ने 23 सितंबर 2026 को जारी किया है किराया वृद्धि का आदेश



फाइल फोटो

छोटे क्वार्टर का किराया भी बढ़ा

रेलवे बोर्ड की नई दरों के अनुसार 25 वर्ग मीटर तक के पहले प्रकार के क्वार्टर का मासिक किराया 120 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया गया है। 25 से 30 वर्ग मीटर वाले क्वार्टर का किराया 170 से बढ़ाकर 200 रुपए और 30 से 35 वर्ग मीटर वाले क्वार्टर का किराया 210 से बढ़ाकर 250 रुपए कर दिया गया है। 35 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले इस श्रेणी के क्वार्टर का किराया 220 से बढ़ाकर 280 रुपए किया गया है।

तीन महीने का बकाया भी जुड़ेगा

नई दर 1 जुलाई से लागू होने के कारण जुलाई, अगस्त और सितंबर में जिन कर्मचारियों से पुरानी दर के हिसाब से आवास का किराया काटा गया है, उनके मामले में नई और पुरानी दर का अंतर निकाला जाएगा। यह अंतर बकाया किराए के रूप में वेतन से काटा जाएगा। इस तरह कर्मचारियों को केवल आगे से बढ़ा हुआ किराया ही नहीं देना होगा, बल्कि 1 जुलाई से नई दर लागू होने के कारण पिछली अवधि का बकाया भी चुकाना होगा।

बड़े क्वार्टरों में भी बढ़ोतरी

दूसरे प्रकार के क्वार्टरों में नई दर 280 से 380 रुपए प्रतिमाह तक होगी। तीसरे प्रकार के क्वार्टरों में क्षेत्रफल के अनुसार यह दर 470 से 610 रुपए तक रखी गई है।

चौथे प्रकार के क्वार्टरों के लिए अब कर्मचारियों को 720 से 1320 रुपए प्रतिमाह तक देना होगा।

पांचवें प्रकार के बड़े क्वार्टरों में क्षेत्रफल के अनुसार नई दर 1940 वही से लेकर 5860 रुपए प्रतिमाह तक तय की गई है।

नौकर के कमरे और गैरेज का रेंट भी बढ़ा

रेलवे आवास के साथ मिलने वाले नौकर के कमरे और गैरेज के शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है। नौकर के कमरे का शुल्क 120 से बढ़ाकर 130 रुपए और गैरेज का शुल्क 80 से बढ़ाकर 90 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है।

350 वर्ग मीटर से बड़े आवास का शुल्क 5860 रुपए

350 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले आवासों के लिए अधिकतम निर्धारित दर लागू होगी। ऐसे आवासों का मासिक शुल्क 5860 रुपये रहेगा। चौथे प्रकार के क्वार्टरों की नई दरें रेलवे अधिकारियों के आवासमन के लिए बनाए गए अस्थायी आवासों पर भी लागू होंगी।

टिकट काउंटर पर कतार में नहीं लगना पड़ेगा

भोपाल, आरकेएमपी, संत नगर रेलवे स्टेशन पर अब घूम-घूमकर टिकट बेचेंगे एम-यूटीएस सहायक

टेंडर के लिए भर सकते हैं फॉर्म

इस संबंध 20 सितंबर को निविदा जारी की गई, जो 10 अक्टूबर को खोली जाएगी। आम नागरिक और रिटायर रेलवे कर्मचारी ऑनलाइन टेंडर फॉर्म जमा कर सकते हैं। आम नागरिकों के लिए एक लाख और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए 20 हजार रुपए सुक्ष्म जमा राशि है। दोनों के लिए 10 हजार रुपए ईएमडी (बयाना राशि) तय है। टिकट जारी करने पर सहायकों को कमीशन मिलेगा।

पांच स्टेशनों पर 6-6 सहायक होंगे तैनात

पहले चरण में भोपाल स्टेशन पर 10 एम-यूटीएस सहायक रहेंगे, जबकि रानी कमलापति, संत हिरदराम नगर, इटारसी और बीना स्टेशन पर 6-6 सहायक तैनात किए जाएंगे। यह सहायक स्टेशन पर घूम-घूमकर टिकट बेचेंगे। सहायक मोबाइल और ब्लूटूथ प्रिंटर से स्टेशन परिसर में यात्रियों को मौके पर ही जनरल टिकट जारी करेंगे।

जल्द शुरू होगी सुविधा

टिकट काउंटरों पर भीड़ न लगे, यात्रियों को आसानी से टिकट मिल सके। इसकी के चलते रेलवे की ओर से एम-यूटीएस (मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली) सहायकों की नियुक्ति की जा रही है। भोपाल मंडल के पांच स्टेशन पर जल्द ही यह सुविधा शुरू की जाएगी।

डॉ. मधुर वर्मा, सीपीआरओ, जबलपुर

तेलंगाना एक्सप्रेस का झांसी के खजराहा स्टेशन के पास इंजन हुआ खराब, आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों देरी से पहुंचीं भोपाल

» छह घंटे की अधिक देरी से आने पर यात्री होते रहे परेशान, कई यात्रियों ने टिकट कराए निरस्त

झांसी रेल मंडल के खजराहा स्टेशन के पास तेलंगाना एक्सप्रेस का इंजन खराब होने से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात यात्रियों के लिए परेशानी भरी रही। 12724 तेलंगाना एक्सप्रेस के इंजन में खराबी आने के बाद ट्रेन करीब छह घंटे से अधिक समय तक देरी से चली। लंबे इंतजार के दौरान ट्रेन में सवार यात्री गर्मी और उमस से परेशान होते रहे। कई यात्रियों की आगे की यात्रा प्रभावित हुई, जिसके चलते कुछ ने अपने टिकट तक निरस्त करा दिए। इंजन में खराबी आने के बाद तेलंगाना एक्सप्रेस लंबे समय तक प्रभावित रही। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों को गर्मी और उमस के बीच घंटों इंतजार करना पड़ा। बच्चों, बुजुर्गों और परिवार के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। ट्रेन के देरी से चलने के कारण यात्रियों के आगे के कार्यक्रम भी बिगड़ गए।

भोपाल स्टेशन पर यात्री करते रहे घंटों इंतजार

इधर, भोपाल से इस ट्रेन में आगे की यात्रा करने वाले यात्री भी स्टेशन पर निर्धारित समय से घंटों पहले पहुंचकर इंतजार करते रहे। ट्रेन के समय पर नहीं आने से प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की परेशानी बढ़ती रही। कई यात्रियों को अपनी यात्रा का कार्यक्रम बदलना पड़ा। कुछ यात्रियों ने ट्रेन की अधिक देरी को देखते हुए टिकट निरस्त करा दिए।

दूसरी ट्रेनों भी हुई प्रभावित, यात्री हुए परेशान

तेलंगाना एक्सप्रेस के इंजन में आई खराबी का असर अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा। भोपाल आने वाली गोवा एक्सप्रेस, जीटी एक्सप्रेस, लश्कर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, बरेली-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें देरी

से पहुंचीं। इनमें कुछ ट्रेनें तीन घंटे से ज्यादा देरी से भोपाल आईं। इससे इन ट्रेनों के यात्रियों की भी स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा। यात्रियों का कहना था कि लंबी दूरी की ट्रेनों में इस तरह की खराबी होने पर उन्हें घंटों परेशान होना पड़ा।

भोपाल रेल मंडल सांसदों की बैठक को 11 माह बीते: एक दर्जन सुझावों पर अमल नहीं

सांसदों के सुझाव फाइलों में: न बैटरी ऑपरेटेड गाड़ी चली... न आरकेएमपी पहुंची ‘राज्यरानी’

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भोपाल रेल मंडल के सांसदों की बैठक को 11 माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन बैठक में दिए गए एक दर्जन से ज्यादा सुझाव अब भी अमल का इंतजार कर रहे हैं। इनमें नई ट्रेन शुरू करने, ट्रेनों के ठहराव बढ़ाने, लंबित रेल परियोजनाओं को गति देने और यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। सांसदों की ओर से सुझाव दिए जाने के बावजूद इन पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी भी सामने आ रही है।

3 अक्टूबर 2025 को हुई बैठक में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल स्टेशन पर बैटरी ऑपरेटेड कार्ट सेवा फिर शुरू करने का सुझाव दिया था। साथ ही रानी कमलापति से सूत के लिए नई ट्रेन चलाने का प्रस्ताव रखा था। इन सुझावों पर अभी तक अमल नहीं हुआ। वहीं भोपाल एक्सप्रेस का मथुरा में ठहराव और रानी कमलापति से पुणे के लिए चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन को नियमित करने का प्रस्ताव भी लंबित है।

» ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों की नाराजगी बढ़ी

» भोपाल एक्सप्रेस का मथुरा में ठहराव, आरकेएमपी से पुणे ट्रेन नियमित करने के प्रस्ताव अछूते

राज्यरानी को आरकेएमपी से चलाने का सुझाव भी अटका



फाइल फोटो

इटारसी के लिए भी कई प्रस्ताव नहीं हुए पूरे

नर्मदापुरम सांसद दशेन सिंह चौधरी ने इटारसी स्टेशन पर मागपुर-इंदौर त्रिशताब्दी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की थी। इसके साथ पुरी-जोधपुर और

केनवाई-देहरादून ट्रेनों का इटारसी तक विस्तार करने का सुझाव भी दिया गया था। इन प्रस्तावों पर भी अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है।

निशातपुरा स्टेशन शुरू हुआ, लेकिन यात्रियों के लिए सुविधाएं अभी अछूटी

सांसदों के सुझावों में से निशातपुरा स्टेशन को यात्री ट्रेनों के लिए विकसित करने की मांग पर जरूर अमल हुआ। रेलवे ने इसे भोपाल के चौथे प्रमुख यात्री स्टेशन के रूप में शुरू किया। लेकिन यहां अभी भी पार्किंग, स्टॉल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर यात्रियों को परेशानी हो रही है। भोपाल मंडल के एक दर्जन से अधिक स्टेशनों की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्णविकसित किया जा रहा है। मंडल स्तर पर इस काम में तेजी दिखाई जा रही है।

अगले माह फिर बैठक संभव

रेलवे सूत्रों के अनुसार अगले माह भोपाल मंडल के सांसदों की बैठक फिर आयोजित हो सकती है। पिछली बैठक होटल ताज में हुई थी। बैठक के आयोजन पर रेलवे का बजट खर्च होता है। ऐसे में सांसदों के सुझावों पर खर्च पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कुछ सुझाव तकनीकी और परिवहन कारणों से संभव नहीं हो पाते, जबकि कुछ प्रस्तावों पर संबंधित स्तर पर प्रक्रिया चलती रहती है।

आगासोद गार्ड री-मॉडलिंग से 2 जोड़ी स्थल ट्रेनों के 12 फेरे निरस्त

आगासोद स्टेशन पर गार्ड री-मॉडलिंग कार्य के चलते भोपाल मंडल से होकर चलने वाली दो जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के 12 फेरे निरस्त किए गए हैं। कानपुर सेंट्रल-मुंबई स्पेशल: गार्ड 01925 के 30 सितंबर, 7 व 14 अक्टूबर तथा वापसी में 01926 के 3, 10 व 17 अक्टूबर के फेरे निरस्त रहेंगे। प्रयागराज-यशवन्तपुर स्पेशल: गार्ड 04149 के 30 सितंबर, 7 व 14 अक्टूबर के फेरे रद्द होंगे।

निगम कर्मों व बाहर के लोग नहीं कर रहे पार्किंग इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

करोड़ों की लागत से तैयार नगर निगम भवन में पार्किंग की सुविधा होने के बावजूद इसका सही उपयोग नहीं हो रहा है। भवन में कर्मचारियों और निगम कार्यालय आने वाले लोगों के वाहन खड़े करने के लिए ग्राउंड पार्किंग बनाई गई है, लेकिन वाहन मुख्य गेट के सामने और सड़क किनारे खड़े किए जा रहे हैं। इससे निगम भवन के मेन गेट पर ही अव्यवस्था दिखाई दे रही है और आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

43 करोड़ की बिल्डिंग में पार्किंग खाली, सड़क पर वाहनों का कब्जा

पार्किंग खाली, गेट के सामने वाहनों की कतार



भवन के सामने गेट पर खड़े वाहन।

निगम भवन की पार्किंग में जगह होने के बावजूद कई वाहन मुख्य गेट के आसपास खड़े नजर आते हैं। इनमें निगम कर्मचारियों के साथ ही विभिन्न कामों से निगम कार्यालय पहुंचने वाले लोगों के वाहन भी शामिल हैं। गेट के सामने खड़े होने से आन जाने का रास्ता संकरा हो जाता है।

शहर की सड़कों पर पर कार्रवाई, गेट पर अनदेखी

शहर में सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहनों पर यातायात अमला कार्रवाई करता है और कई बार क्रेन से वाहन उठाए जाते हैं, लेकिन निगम के अपने भवन के मेन गेट के सामने वाहन खड़े होने के बावजूद उन्हें हटाने या पार्किंग में भेजने की व्यवस्था नजर नहीं आती। इससे नियमों के पालन को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

पार्किंग का उपयोग कराए नगर निगम

भवन में पार्किंग बनाने का उद्देश्य ही कर्मचारियों और आम लोगों के वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा करना था। इसके बावजूद यदि वाहन सड़क और गेट के सामने ही खड़े होंगे तो पार्किंग का होना न होना बराबर है।

मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट आने के बाद राजधानी में कुछ जगह खुले ताले

सड़क की चौड़ाई से तय होगा कारोबार, सील दुकानों पर अभी राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मास्टर प्लान-2047 के नए ड्राफ्ट आने के बाद शहर में व्यावसायिक गतिविधियों और सीलिंग की कार्रवाई को लेकर स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हुई है। नए नियमों में सड़क की चौड़ाई को व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति से जोड़ा गया है। इसके बाद शहर के कई हिस्सों में दुकानों के ताले खुले फिर उठने लगे हैं, लेकिन हर जगह कारोबार शुरू होना नियमों के दायरे में है।



रचना नगर में 12 मीटर से कम चौड़ाई वाली सड़क पर होटल।

कम चौड़ी सड़क पर भी चल रही होटल

कहीं सील की गई दुकानों के ताले खुल गए हैं तो कहीं कम चौड़ी सड़क पर होटल और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां अब भी बरकरार हैं। बिड़न मार्केट और बावड़िया कला में 18 मीटर के दायरे से बाहर सील की गई दुकानों के खुलने लगी है। गौतम नगर और रचना नगर में 12 मीटर से कम चौड़ाई वाली सड़कों पर होटल संचालित हो रहा है। साफ है कि ड्राफ्ट आने के बाद भी व्यावसायिक गतिविधियां नियमों के तहत संचालित नहीं हो रही हैं।

नियमों के बाहर चल रही दुकानों पर निगम की कार्रवाई जारी

24 मीटर में कारोबार की राह साफ, 12 मीटर में अब भी सवाल



वदे मातरम चौराहे पर 24 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित प्रतिष्ठान खुले।

ताले खुले, लेकिन नियमों की जांच बाकी

मास्टर प्लान का ड्राफ्ट आने के बाद व्यापारियों और दुकानदारों में यह उम्मीद बनी है कि लंबे समय से बंद प्रतिष्ठानों को राहत मिल सकती है। हालांकि, ड्राफ्ट का आना अपने आप सील दुकानों को वेध नहीं करता। जिन परिसरों पर पहले से कार्रवाई हुई है, उनकी स्थिति संबंधित नियमों और प्रकरण के आधार पर ही तय होगी। नगर निगम को अब यह भी स्पष्ट करना होगा कि कितने व्यावसायिक प्रतिष्ठान नए ड्राफ्ट के प्रावधानों से बाहर हैं और इनमें से कितने अभी भी संचालित हो रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर कार्रवाई जारी

अवैध कमर्शियल परिसरों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के चलते नगर निगम की कार्रवाई जारी रहेगी। इसलिए मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट आने का मतलब यह नहीं है कि पहले से सील की गई दुकानें अपने आप खुल जाएंगी। कारोबार शुरू करने से पहले संबंधित नियमों के तहत स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। फिलहाल शहर में एक तरफ नए ड्राफ्ट के बाद खुले ताले दिखाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कई जगह व्यावसायिक गतिविधियों की वैधता पर सवाल कायम हैं।

मानसून विदाई के बाद भी जारी रहेगा बारिश का दौर बारिश में कमी के साथ बढ़ेगा पारा, अब तक कोटे से 78 मिमी ज्यादा हुई बरसात



स्थान-नूर ए सबाह होटल, समय: शाम 6.30 बजे रविवार।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

आज यहां हल्की बारिश के आसार

भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैरूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वाली, अलीराजपुर, झाड़ुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकला, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अहमपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बावड़िया, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मेहर, पाटण्डा में कुछ जगह हल्की से मध्यम बारिश होगी। वहीं राजधानी में मौसम सुहावा रहा। इससे तेलंगानियों ने दोपहर बाद से पिकनिक स्पॉट्स का रुख किया।

स्कूटी पंक्चर होने पर बाइक से मामा को लेने जा रहा था युवक

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एम्स अस्पताल के पास तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

हादसे में उसका मेमेरा भाई कार्तिक सोनी भी हादसे में घायल हुआ है, जिसका एम्स में इलाज चल रहा है। हादसा 23 सितंबर की रात करीब 1 बजे के आसपास का था। पुलिस ने मर्ग कायम कर वाहन को जब्त कर लिया है।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित एम्स अस्पताल के पास कार ने मारी थी टक्कर



मामा ने मदद के लिए फोन कर भांजे को बुलाया था

पुलिस के अनुसार, अमरगई बागसेवनिया निवासी नरेश सोनी (21) ममेरे भाई कार्तिक के साथ बाइक से एक्स की तरफ जा रहा था। उसके मामा जगदीश सोनी अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से माता-पिता से मिलकर घर लौट रहे थे। एक्स पुलिस चौकी के आगे उनकी

स्कूटी पंचर हो गई थी। इसके बाद जगदीश ने नरेश को फोन कर मदद के लिए बुलाया था। नरेश और कार्तिक बाइक से एक्स चौकी के पास पहुंचे थे, तभी गेट नंबर-2 की तरफ से लाल रंग की शिफ्ट कार तेज रफ्तार में लहराते हुए आई और बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद युवक व साथी हुए थे घायल

टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए, जबकि कार धूमकर एक्स की जाली में जा चुकी। हादसे में नरेश और कार्तिक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक यशवर्धन प्रताप सिंह, निवासी कटारा हिल्स भी घायल हुआ। डायल 112 की मदद से सभी को एक्स पहुंचाया गया। इलाज के दौरान रविवार नरेश की मौत हो गई। पुलिस ने कार नंबर एमपी 04 वायआर 2851 के आधार पर चालक यशवर्धन प्रताप सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांधी नगर में पैदल जा रही बीटेक छात्रा को कार ने मारी टक्कर, मौत

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित रिलायबल हाईटेक सिटी के बाहर मुख्य सड़क पर काले रंग की कार ने सहैलियों के साथ पैदल जा रही बीटेक छात्रा को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से छात्रा को सिर गर्दन हाथ-पैर में गंभीर चोट आई थी। उसके साथ मौजूद सहैलियां उसे एंबुलेंस की मदद से हमीरिया अस्पताल लेकर पहुंची, वहां इलाज के दौरान रविवार दोपहर छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद कार का चालक कुछ पल के लिए रुका और कार लेकर भाग निकला। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर आरोपी

चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सायमा पिता फुजन अहमद (23) मूलतः बिहार की रहने वाली थी। वह भोपाल की ऊर्दू अकादमी से बीटेक की पढ़ाई कर रही थी। सायमा यहां रिलायबल हाईटेक सिटी में अपनी सहेली बुशरा आलम और आस्मीन के साथ रह रही थीं। शनिवार रात करीब दस बजे तीनों सहैलियों घर से पैदल रंगला पंजाब ढाबा जा रही थीं। बकरा मार्केट के पास झुलेलाल ट्रेड्स हाईटेक कॉलोनी के सामने पहुंचते ही गांधीनगर तरफ से आ रही काले रंग की कार के

चालक ने तेजी और लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए सायमा को टक्कर मार दी। टक्कर पीछे से लगने के कारण सायमा मुंह के बल सड़क पर गिरी थी। इस हादसे में उसे सिर, गर्दन, हाथ-पैर में गंभीर चोट थी। टक्कर मारने के बाद कार का चालक कुछ पल के लिए रुका। इसी दौरान बुशरा ने कार की नंबर प्लेट की फोटो ले ली। इसके बाद कार का चालक मौके से कार लेकर भाग निकला। इधर सायमा को हमीरिया अस्पताल लेकर पहुंची। वहां सायमा की तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई।

बिहार से पहुंचे मृतक के परिजन

घटना की जानकारी देर रात ही बुशरा ने सायमा के परिजन को दे दी थी। परिजन बिहार से भोपाल पहुंच गए थे। शाम होने के कारण सायमा का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। सोमवार को शव का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंपा जाएगा।

खबर संक्षेप



क्षमावाणी पर्व पर की क्षमा याचना

औबेदुल्लागंज। रविवार को स्टेशन रोड दिगंबर जैन मंदिर, मुख्य रोड प्राचीन नमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं तामोद दिगंबर जैन मंदिर में क्षमा वाणी पर जैन समाज अध्यक्ष सुनील तामोद, डॉ. मीना जैन, पं. लक्ष्मी चंद जैन, इंजीनियर मुकेश जैन, नीति अनुराग जैन, पवन रवि जैन, रितेश ऋतु जैन, एलसी जैन, दिनेश गुड्डा जैन, विनय जैन, तरुण इंद्र जैन, आकाश मयूरी जैन, सुनील समता वर्धमान जैन, अजीत जैन, मनोज जैन, सुमन जैन, प्रतिभा जैन, पिंकी जैन ने क्षमा धर्म पर कहा कि क्षमा को जीवन में उतारने का प्रयत्न करें। हमारे मन से बेर के संस्कार दूर हों। आज सभी लोगों ने क्षमा मांगते हुए कहा कि सभी जीव मुझे क्षमा करें। सभी जीवों के प्रति मेरे मन में मैत्री हो। किसी के भी प्रति बेर न हो।

सेवा यात्रियों ने की सेवा कार्यों में सहभागिता

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा मोर्चा की ओर से आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' रविवार को वडनगर से वाराणसी एवं वाराणसी से वडनगर के विभिन्न मार्गों से मग्न पहुंची। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने सेवा यात्रियों के साथ विभिन्न सेवा कार्यों में सहभागिता की। यात्रा सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा, सहभागिता और जनसरोकार का संदेश गांव-गांव तक पहुंच रहा है। मार्ग क्रमांक-1 की यात्रा छिंदवाड़ा में 'जल, जन सेवा' संकल्प यात्रा रविवार को अमरवाड़ा पहुंची, जहां गौशाला में गौ पूजन एवं पोधरोपण किया गया। मार्ग क3 की यात्रा सागर पहुंची। जहां लेहदरा नाका स्थित बड़ी नदी के घाट पर स्वच्छता अभियान, पौधारोपण और सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। यात्रा मार्गों से गुजरती हुई चक्राघाट, पंडित दीनदयाल चैक, गोपालगंज और मकरोनिया होते हुए वाराणसी की आगे बढ़ी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, राज्यसभा सांसद मुकेश भाई राधवा, विधायक शैलेंद्र कुमार जैन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी उपस्थित रहे।

एक ने परीक्षा में असफल होने पर, दूसरे ने पारिवारिक कारणों से लगाया मौत को गले

तनाव ले रहा युवाओं की जान, दो ने आत्महत्या कर खत्म की जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा देने उज्जैन से भोपाल आए एक युवक ने संतनगर के होटल में जहर खाकर जान दे दी। वह 26 सितंबर को होने वाली लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा 25 सितंबर को होटल में रुका था। पुलिस को मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने लिखा है कि लगातार होने वाली नाकामी से वह अंदर से टूट गया है। रविवार को पोस्टमार्टम करने के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मूल रूप से क्षिप्रा विहार कॉलोनी, उज्जैन निवासी पवन बामनिया (27) 25 सितंबर को संतनगर की होटल डेल्टा में आकर रुका था। अगले दिन 26 सितंबर को होने वाली लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा में उसे शामिल होना था, लेकिन 26 सितंबर की रात तक पवन कमरे से बाहर नहीं आया। दरवाजा भीतर से बंद था। लिहाजा होटल स्टाफ को घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह दरवाजा खोला। कमरे के भीतर पवन बामनिया मृत हालत में पड़ा मिला।

पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और अन्य सामान मिला है। उज्जैन से भोपाल आए मृतक के परिजनों का कहना है कि पवन के पिता और अन्य सदस्य सरकारी नौकरी में है। पवन का सपना भी सरकारी नौकरी करके का था। लंबे समय से वह कई प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होता आ रहा था, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल सकी थी। वह काफी हद तक मायूस होकर तनाव में रहने लगा था।

परीक्षा देने उज्जैन से भोपाल आए युवक की होटल में मौत

लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा देने आया था, सुसाइड नोट में लिखा अंदर से टूट गया



असफलता से हताश हुआ सरकारी नौकरी को अपना सपना और जीवन का आधार बनाते हुए लिखा है कि उसे असफलता, हताशा, अकेलापन और चिंता ही मिली है। अपने माता-पिता और दोनों बहनों से माफ़ी मांगते हुए लिखा कि अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कर सका।

बार-बार फेल होने से अंदर से टूट

बेटी के साथ बर्ह-डे नहीं मनाने दिया, दुखी पिता ने ख़ाया जहर, मौत

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी में एक युवक ने चूहेमार जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी दो साल की बेटी के साथ बर्हडे मनाना चाहता था, लेकिन बेटी के साथ अलग रह रही पत्नी ने बेटी को लाने से मना कर दिया। इस बात से दुखी होकर युवक ने शुक्रवार को चूहामार खा लिया। परिजन उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे, वहां से हमीरिया अस्पताल रफर कर दिया गया। हमीरिया अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया गया।

2023 में युवती से प्रेम विवाह किया था अनबन के चलते अलग रहती है पत्नी

पुलिस के अनुसार 12 नंबर मल्टी हबीबगंज निवासी सावन पतेर पिता शिवलाल पचौरे (25) फाइवर वर्क का कारीगर था। साल 2023 में उसने खुशी सूर्यवंशी नामक युवती से प्रेम विवाह किया था। उनकी दो साल की एक बेटी है। आपसी अनबन के चलते करीब डेढ़ साल से खुशी अपनी बेटी को लेकर अलग रह रही है। सावन के भाई राहुल ने बताया कि 22 सितंबर को सावन की बेटी का जन्मदिन था। पिता अपनी बेटी के साथ जन्मदिन मनाना चाहता था। लेकिन खुशी ने आगे से इंकार कर दिया। इस बात से सावन बहुत दुखी हो गया था। शुक्रवार रात दुखी होकर उसने चूहेमार जहर खा लिया। खुलासा उस समय हुआ जब काम से लौटी मां ने सावन को उल्टियां करते देखा। फुझे पर उसने चूहेमार जहर खाने की बात बताई। राहुल ने बताया कि सावन ने बहुत मिन्नतों की कि बेटी को बहुत दियों से नहीं देखा। बर्हडे मनाने के बहाने वह कुछ देर बेटी के साथ रह लेगा, लेकिन उसकी पत्नी खुशी ने उसकी बात नहीं मानी और उसने हवा की लाने से इंकार कर दिया। तभी से सावन दुखी और गुमसुम हो गया था

विधायक पटवा ने मन की बात कार्यक्रम का किया श्रवण

पीएम मोदी का संबोधन सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए करता है प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

वार्ड नंबर 4 बृथ 135 स्थित छात्रावास में कार्यकर्ताओं व छात्रों के बीच विधायक सुरेंद्र पटवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें संस्करण को सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र सुरक्षा और शौर्य के प्रतीक सर्जिकल स्ट्राइक के पराक्रम का स्मरण करते हुए देश के जांबाज सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रीय विकास की दिशा तय करने वाली जनगणना, एक सशक्त व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए 'नशामुक्त भारत' अभियान तथा जनभागीदारी से जुड़े कई विषयों पर विचार साझा किए। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रेरक



उद्बोधन हम सभी को राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, नपा उपाध्यक्ष नमीता अग्रवाल, एल्डरमैन रामकिशोर नंदवंशी, सोनू चौकसे, माधव यादव, वचन लोधी, कोमल चौहान, मनोज चौरसिया, बागिश अग्रवाल, हरगोविंद वर्मा, सुनील सेरिया आदि मौजूद रहे।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में महान समाज सुधारक की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में महान समाज सुधारक, शिक्षाविद् एवं मानवतावादी चिंतक पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की 206वीं जयंती पर विशेष सभा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रेखा केवलांनी एवं प्राचार्या दिव्या कुपलानी एवं समन्वयक मिनी नायर ने दीप प्रज्वलन के साथ पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके समाज के प्रति अतुलनीय योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के रूप में सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर के जीवन-आदर्शों एवं सिद्धांतों पर आधारित प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत की गई।

लघु नाटक से पं. विद्यासागर के आदर्शों पर चलने का विद्यार्थियों ने दिया संदेश



पं. ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्मरण की अद्वितीय मिसाल

सभा में विद्यालय प्राचार्या रेखा केवलांनी ने कहा कि पं. ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जीवन शिक्षा, मानवीय संवेदना और सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पण की अद्वितीय मिसाल है। उप-प्राचार्या दिव्या कुपलानी ने कहा कि विद्यासागर ने शिक्षा को सामाजिक और सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। कार्यक्रम का संचालन केवल जावरानी ने किया।

श्री नागर धाकड़ समाज संस्कार आयोजन समिति का सामूहिक पितृ मोक्ष कार्यक्रम

पुण्यात्माओं का श्रद्धापूर्वक स्मरण कर की आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

श्री नागर धाकड़ समाज संस्कार आयोजन समिति औबेदुल्लागंज भोपाल क्षेत्र का धाकड़ गार्डन पर आयोजित सामूहिक पितृ मोक्ष कार्यक्रम श्रद्धा, संस्कार, सेवा और सामाजिक एकजुटता के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न परिवारों की 16 दिवंगत पुण्यात्माओं का सामूहिक रूप से पितृ स्मरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में सामूहिकता, सहयोग और संसाधनों के संयुक्त उपयोग का संदेश भी दिया गया। सामूहिक आगोजन से



संसाधनों की बचत करते हुए एक ही स्थान पर श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ पितरों का स्मरण किया गया। आयोजन समिति ने कहा कि यह पहल समाज में फिजूलखर्ची कम करने, समय की बचत करने और सामूहिक सहयोग की परंपरा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। कार्यक्रम में

समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं समाजबंधुओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में दिवंगत पुण्यात्माओं को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना की गई तथा आयोजन को सफल बनाने वाले सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया।

सिंधी मेला समिति के पदाधिकारियों ने किया पोस्टर जारी

सिंधी गरबा महोत्सव की तैयारी को दिया अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

सिंधी मेला समिति के सिंधी गरबा महोत्सव का शुभारंभ इस वर्ष 15, 16, 17, 18 अक्टूबर को शाम 7 से रात्रि 11 बजे तक भोपाल के लालघाटी स्थित सुंदरवन गार्डन में आयोजित किया जा रहा है।

इस वर्ष यह गरबा अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस सिंधी गरबा महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को गुरनानक टेकरी स्थित कबीर कुटिया में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से सिंधी मेला समिति के संरक्षक केएल दलवानी, मनश्याम पंजवानी, अध्यक्ष मनीष दर्यानी, गहरासभा नरेश तलरेजा, कार्यक्रम के संयोजक राम आसुदानी, सह संयोजक लोकेश वाधवानी एवं सह संयोजिका रेखा कमल व भोपाल के सभी 7 संघों के व्यस्थापक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समिति के पदाधिकारियों ने अपने-अपने सेंटर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं इस सिंधी गरबे को और बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने विचार रखे। मालूम हो कि 13 सितंबर से भोपाल के 7 प्रशिक्षण स्थलों पर गरबे का प्रशिक्षण चल रहा है, जो 14 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस दौरान समिति द्वारा गरबे में पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

भोपाल के 7 प्रशिक्षण स्थलों पर चल रहा गरबे का प्रशिक्षण



कार्यक्रम स्थल की सजावट, डांस प्रैक्टिस, सुरक्षा व्यवस्था, फूड स्टॉल पर चर्चा हुई

सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दर्यानी ने बताया की यह प्रदेश का यह पहला सामाजिक गरबा है। जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग भाग लें हैं। बैठक में गरबे के स्थल की सजावट, डांस प्रैक्टिस और सुरक्षा व्यवस्था, फूड स्टॉल, वैसे पार्किंग जैसी अनेक व्यवस्थाओं के विषय के बारे में विस्तार से

चर्चा की गई। इस मीटिंग में प्रमुख रूप से सुनील मंगवाणी, किरण वाधवानी, वासु गोलाणी, कपिल माटिया, मनोहर लालवानी, माया पंजवानी, शकुन देवराख्यानी, चेतना वाधवानी, भावना जगवानी, सिया अरुणानी, पूजा माटिया सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष शामिल हुए।

किसानों का धान भी अब समर्थन मूल्य पर खरीदेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने शहडोल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली किया संबोधित



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इस वर्ष सरकार ने पहली बार शहडोल के किसानों का श्री अन्न कोढ़े, कुटकी समर्थन

किसानों को अब दिन में10 घंटे सिंचाई के लिए मिलेगी बिजली

ओडीपी उत्पाद क्षेत्र की पहचान हल्दी को जियोटैग मिला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल जिले के ओडीपी उत्पाद क्षेत्र की पहचान हल्दी को जियोटैग मिला है, क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। क्षेत्र की कृषि क्षमता को देखते हुए मसाला फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। हल्दी की प्रोसेसिंग और बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकें।

बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित करते सीएम।

मूल्य पर खरीदा है। इस बार भी किसानों का धान भी सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदेगी, किसान किसी प्रकार की चिंता न करें।

सीएम शहडोल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअली

संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जैविक खेती करने वाले किसानों से संवाद किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैविक खेती करने वाले किसानों से संवाद किया और शहडोल क्षेत्र के राजाबाग अमरूद, मूंगा, कोढ़े, कुटकी की प्रसिद्धि का जिक्र करते हुए किसानों की उद्यमिकी फसलों का उत्पादन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की दुर्गम वनस्पतियों के संग्रहण, प्रसेसरकरण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए हर कदम पर खड़ी है। अब तक सरकार किसानों की बिना ब्याज का ऋण साल में दो बार भरने की सुविधा दे रही थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल क्षेत्र में होम-स्टे भी बनाए जाएंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के जनजातीय बहुल गांवों में होम-स्टे विकसित किए जाएंगे। होम-स्टे के लिए राज्य सरकार ने अनुदान की व्यवस्था भी की है, जिससे युवाओं को रोजगार एवं आय के नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में जनप्रतिनिधियों के साथ सुनी पीएम की ‘मन की बात’



मन की बात सकारात्मक बदलावों को देश के सामने लाने का है सशक्त माध्यम

प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें संस्करण का प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

सीएम ने महाकाल मंदिर परिसर उज्जैन से प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ का जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीयजनों के साथ सामूहिक श्रवण किया। प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ के 138 वें संस्करण में मप्र के कुछ नौजवानों की ओर से नदी की सफाई के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। युवाओं ने

छोटे से प्रयास से शुरूआत की और धीरे-धीरे समाज के अन्य लोग भी इससे जुड़ते गए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के ऐसे प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं, बल्कि समाज को सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास भी कराते हैं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को स्वच्छता अभियान से जुड़ने और अपने आसपास के प्राकृतिक जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

उज्जैन के महाकाल महालोक से विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

उज्जैन को 173 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, सीएम बोले-अवंतिका का वैभव ही सदियों से रहा है इसका गौरव

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उज्जैन (अवंतिका) एक प्राचीन नगर है। यहां का व्यापार व्यवसाय और इसका वैभव ही सदियों से इस नगर का गौरव और पहचान रही है। उज्जैनवासियों ने हर काल में शहर के विकास में सहयोग दिया है और आज भी यहां के लोग विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए स्वेच्छिक योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को महाकाल महालोक, उज्जैन में विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां 173 करोड़ रुपए लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी मिलेगी। भोपाल के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट प्रकाशित कर दिया गया है। ग्वालियर नई मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित होगा साथ ही इसे टेलीकॉम सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।



इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने जा रहा है

उज्जैन में होंगे 173 करोड़ रुपए के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने जा रहा है। इससे पूरे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। हमारी सरकार सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में नई परिवहन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके अन्तर्गत यात्री बसें एक नगर से दूसरे नगर तक ही नहीं, बल्कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाएंगी। उज्जैन में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन के लिए 10 नई पीएम ई-बस सेवाओं का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन में हुए कार्यक्रम में 15 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 12 कार्यों का भूमि-पूजन और 3 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। भूमि-पूजन कार्यों में मुख्य रूप से नगर निगम उज्जैन के 8 बड़े कार्य हैं, जिनमें गौशाला मार्ग से शिप्रा विहार मार्ग निर्माण, महाकाल लोक क्षेत्र में पार्किंग सुविधा, महाकाल मंदिर परिसर का विकास एवं क्षिप्रा नदी के घाटों का जीर्णोद्धार जैसे कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा महाकाल मंदिर के पीछे लैंडस्केपिंग, पुलिस विभाग की ओर से चित्तामण जवाहरिया में पुलिस

आवास और उव्हेल में थाना भवन तथा पर्यटन विभाग की ओर से 45 नगरीय वनों का विकास कार्य शामिल है, जिनकी कुल लागत 153.31 करोड़ रुपए है। लोकार्पित किए गए कार्यों में पुलिस आवास अधीसंरचना विकास निगम द्वारा नीलगंगा और उव्हेल में निर्मित पुलिस आवास एवं थाना भवन तथा उज्जैन विभाग की ओर से बड़नगर में निर्मित 33/11 केवी उपकेन्द्र शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 19.56 करोड़ रुपए है। इन सभी कार्यों से उज्जैन के नागरिकों को अधोसंरचना, सुरक्षा और पर्यटन विकास की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

उज्जैन दर्शन मार्ग

उज्जैन दर्शन सेवा का निर्धारित मार्ग मेघदूत वन पार्किंग से प्रारंभ होकर महाकाल लोक, हरसिद्धि मंदिर, क्षिप्रा नदी, ऋणमुक्तेश्वर महादेव, भर्तृहरि गुफा, गढ़ कालिका माता मंदिर, काल भैरव मंदिर, सिद्धवट मंदिर, अंगारेश्वर मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, सांढीपनि आश्रम, भूखी माता मंदिर, चित्तामण गणेश मंदिर, अष्ट विनायक मंदिर, शनि नवगढ़ मंदिर, इस्कॉन मंदिर, बस स्टैंड एवं उज्जैन रेलवे स्टेशन होते हुए पुनः मेघदूत वन पार्किंग पर समाप्त होगा। इसका शुल्क 200 रुपए मात्र होगा। यात्री यूपीआई के माध्यम से पेमेंट कर सकते हैं। यह बसें पूर्ण रूप से जीरो एमिशन रहेंगी, इनसे पॉल्यूशन बिल्कुल नहीं होगा और यह इलेक्ट्रिकल चार्ज होंगी। यह मार्ग उज्जैन के प्रमुख मंदिरों एवं पौराणिक स्थलों को एक श्रृंखला में जोड़ेगा। उज्जैन दर्शन रूट की कुल लंबाई 27.01 किलोमीटर है।

बस संचालन की व्यवस्था

यात्री निर्धारित स्टॉप पर बस से उतरकर संबंधित मंदिर या दर्शनीय स्थल का दर्शन कर सकेंगे। दर्शन पूर्ण होने के बाद उसी स्टॉप से अगली उपलब्ध उज्जैन दर्शन बस में यात्रा जारी रख सकेंगे। निर्धारित घेद्यता अवधि के दौरान एक ही टिकट पर यात्री मार्ग के विभिन्न स्टॉप से बस में चढ़ और उतर सकेंगे। सभी प्रमुख मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों के निकट निर्धारित बस स्टॉप बनाए जाएंगे। यात्रियों को लंबी पंतीला न करनी पड़े, इसके लिए बसों का विभाजन नियमित अंतराल पर किया जाएगा। प्रत्येक प्रमुख स्थल पर दर्शन एवं भ्रमण के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध रहेगा।

मुख्यमंत्री ने महाकाल लोक से पीएम ई-बस सेवा एवं उज्जैन दर्शन सेवा का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रदेश में सुगम, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को गति देते हुए श्री महाकाल लोक के अन्तर्गत पार्किंग परिसर में पीएम ई-बस सेवा तथा उज्जैन दर्शन सेवा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शक्ति पथ, महाकाल लोक से बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने राजाराम रिसोर्ट तक यात्रा भी की। इस अवसर पर वेदपाठी



बटुकों की ओर से वेद मंत्रों का वाचन किया गया और डमरू वादन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं भगवान श्री महाकालेश्वर को प्रणाम करता

हूं। आज उनकी नगरी में एक अद्भुत अलग प्रकार का दिन है।

एक के बाद एक शहर को रोज एक नई सौगात मिल रही है। रोज नए प्रकार के विकास के कीर्तिमान बन रहे हैं। 21 साल पहले राज्य परिवहन निगम की बसें चला करती थीं, फिर किसी कारण से सार्वजनिक परिवहन बसों को बंद करना पड़ा। हमने वह अभाव आज पूरा किया है। राज्य परिवहन निगम की बसें एक राज्य से दूसरे राज्य जाएंगी। शहर के अंदर नगरीय स्तर पर भी बसें चलाई जाएंगी।

धार्मिक पर्यटन केंद्र के लिए 10 बसों की सौगात मिल रही है

उज्जैन में धार्मिक पर्यटन केंद्र के लिए 10 बसों की सौगात मिल रही है। हम सब इसमें यात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की ओर से प्रदेशवासियों का सफर सुगम बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा एवं ई-बस सेवा का शुभारंभ किया गया है। उज्जैन में यह सेवा श्रद्धालुओं, पर्यटकों और नगरवासियों को एक ही व्यवस्था के तहत प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी।

अस्थाई कर्मचारियों का आज से आंदोलन शुरू, भाजपा कार्यालय के सामने देंगे धरना

भोपाल। वर्षों से ग्राम पंचायतों, सरकारी स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों में काम कर रहे अंशकालीन और अस्थाई कर्मचारियों ने अब न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर सोमवार से आंदोलन करने जा रहे हैं। पंचायत चौकीदार, भूच, सफाईकर्म, पंप चालक और रसोइए सहित कर्मचारी आज और कल भाजपा कार्यालय के सामने आंदोलन की शुरूआत करेंगे।

- बीस साल की नौकरी नहीं बढ़ा मानदंड
- चौकीदार भूच, सफाईकर्मों से चार हजार में कर रहे काम

ऑल डिपार्टमेंट आ उ ट से स', अ र थ ा ई, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चे के आह्वान पर होने वाले आंदोलन के दौरान कर्मचारी कामबंद हड़ताल भी करेंगे। संयुक्त मोर्चे के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों में कर्मचारी सुरक्षा, स्वच्छता और नल-जल व्यवस्था सहित कई जिम्मेदारियां संभालते हैं। वहीं स्कूल शिक्षा और आदिम जाति कल्याण विभाग के स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों में अंशकालीन एवं अस्थाई भूच और रसोइए लंबे समय से काम कर रहे हैं। महंगाई के मौजूदा दौर में 2 से 4 हजार रुपए के मानदेय से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल है। वर्षों की सेवा के बावजूद कर्मचारियों को सस्थाई कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है। संगठन ने प्रदेशभर के कर्मचारियों से भोपाल पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। संयुक्त मोर्चे का कहना है कि जब तक स्थायीकरण, न्यूनतम वेतन और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने सहित मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

जबलपुर—हिरन नदी सेवशन में जनसुविधा के लिए लिया निर्णय

एनएचएआई ने शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली अब जाकर की स्थगित

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जनसुविधा एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए एनएच-45 के जबलपुर-हिरन नदी सेक्शन स्थित शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश के बाद रविवार 27 सितंबर को दोपहर 12 बजे से शहपुरा टोल प्लाजा की सभी लेन, जिसमें ईटीसी लेन भी शामिल हैं, टोल-मुक्त रहेंगी। इस अवधि में किसी भी श्रेणी के वाहन से यूजर फीस की वसूली नहीं की जाएगी। हरिभूमि ने अभी एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री गडकरी के निर्देश के बाद भी टोल वसूली जारी रहने का खबर प्रकाशित किया था। इसके बाद यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, शहपुरा आरओबी के एग्रोच के क्षतिग्रस्त होने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से सामान्य यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इसके बाद भी टोल वसूली की जा रही थी। वर्तमान में मप्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से आरओबी के एग्रोच के स्थायी पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है। पुनर्निर्माण से संबंधित आवश्यक संरचनात्मक एवं सिविल कार्य प्रगति पर हैं।



टोल वसूली पुनः प्रारंभ किए जाने संबंधी निर्णय नियमानुसार लिया जाएगा

टोल वसूली स्थगित रहने की अवधि में भी शहपुरा टोल प्लाजा पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, ईटीसी, एएनपीआर, डब्ल्यूआईएम सिस्टम, साइनेज एवं अन्य आवश्यक परिस्परितियों का समुचित रखरखाव जारी रहेगा। साथ ही, वाहन चालकों की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन के लिए टोल प्लाजा पर यातायात का सुचारु एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। आरओबी के एग्रोच का पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण होने तथा आवश्यक तकनीकी एवं सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी कर सामान्य यातायात बहाल होने के उपरांत टोल वसूली पुनः प्रारंभ किए जाने संबंधी निर्णय नियमानुसार लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने लौनिछ विभाग की ओर से निर्मित की जा रही सड़क का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे निर्माण कार्यों के साथ ही लोक निर्माण विभाग की ओर से सीआईआरएफ के तहत निर्मित की जा रही 14.42 किलोमीटर लंबी सड़क, आरओबी व पुलों के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति पर संतोष प्रकट किया तथा निर्देश दिए हैं कि समस्त कार्य समय सीमा में पूर्ण होना चाहिए। मुख्यमंत्री की ओर से आज हरि फाटक से होकर लालपुर, मुल्लापुरा वाया शंकराचार्य चौराहा से चंद्रखेड़ी मार्ग पर फोर एवं सिक्स लेन का निर्माण तथा क्षिप्रा नदी पर अतिरिक्त पुल का निर्माण व टू लेन आरओबी के निर्माण कार्य का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया।

800 करोड़ खर्च होने के बाद भी इंदौर की सड़कें क्यों बदहाल हैं: पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर में सड़क निर्माण के नाम पर करोड़ों खर्च किए जाने के बावजूद सड़कों की बदहाली को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जवाब मांगा है। पटवारी ने कहा कि रिपोर्ट में सामने आया है कि इंदौर नगर निगम ने पिछले पांच वर्षों में सीमेंट-कांक्रीट सड़कों के नाम पर करीब 800 करोड़ खर्च किए,

लेकिन आरोप है कि नई सड़कें बनाने के बजाय पहले से बनी सीसी सड़कों को ही तोड़कर दोबारा बनाया गया। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क निर्माण का सवाल नहीं है, बल्कि जनता के 800 करोड़ रुपये के इस्तेमाल और उसकी जवाबदेही का सवाल है। पांच साल में इंदौर में एक नई सड़क नहीं बनी तो 800 करोड़ रुपये आखिर कहाँ खर्च हुए?

विप्लव-चंद्रशेखर 30 को आएंगे भोपाल, जिलाध्यक्षों के कामकाज की होगी समीक्षा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रभारी विप्लव देव और प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर 30 सितंबर को राजधानी आएंगे। सूत्रों के हवाले से खबर है कि इसके साथ ही वे प्रदेश की कमान संभाल लेंगे और अपना काम काज शुरू कर देंगे। सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले वे प्रदेश भर के जिलाध्यक्षों के कामकाज की समीक्षा करेंगे।

- संतोषजनक प्रदर्शन नहीं पाया गया तो कई जिलाध्यक्षों पर गिर सकती है गाज

इसके साथ ही उनका सेवा संकल्प अभियान के बाद अब संगठन में जिलों में कसावट पर फोकस रहेगा। सूत्र बताते हैं कि 17 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों में अभियान पूरा होने के बाद समीक्षा की तैयारी है। दोनों नेता जिलों में जाकर संगठन की स्थिति का आकलन करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक जिलाध्यक्षों के कामकाज, सक्रियता और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली जाएगी। इस दौरान पिछले करीब डेढ़ साल के कामकाज का आकलन किया जाएगा। समीक्षा के आधार पर जिलाध्यक्षों के प्रदर्शन का मूल्यांकन होगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक कामकाज में कसौटी पर खरे नहीं उतरने वाले जिला अध्यक्षों पर गाज गिरने के पूरे आसार हैं। इसके साथ ही सूत्रों का कहना है कि संगठन में पुरानी टीम के वक्त हुई कुछ नियुक्तियों की भी समीक्षा होगी। कई जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर पहले से चर्चा चल रही है। सूत्रों ने समीक्षा के बाद संगठन में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया है।

खबर संक्षेप

एसवेक्टर का 420 करोड़ रुपए का आईपीओ खुला मुंबई। कुणाल बहल और रोहित बंसल द्वारा सह-स्थापित एसवेक्टर लिमिटेड का 420 करोड़ रुपए का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुक्रवार को सभ्यक्रिप्शन के लिए खुल गया। कंपनी का आईपीओ 29 सितंबर तक खुला रहेगा। इश्यू का प्राइस बैंड 30 से 32 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ खुलने से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 189 करोड़ रुपए जुटाए हैं। आईपीओ में 287 करोड़ रुपए तक का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसमें 8.97 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे।

मिमी वन 5जी लांच, कीमत 11,999 से शुरू नई दिल्ली। भारतीय कंप्यूटर टेक्नोलॉजी ब्रांड मिमी ने स्मार्टफोन बाजार में एंट्री करते हुए अपना पहला मिमी वन 5जी लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे 15 हजार रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट को ध्यान में रखते हुए पेश किया है। फोन में 4 एनएम स्नेपड्रैगन 4 जेन 2 मोबाइल प्लेटफॉर्म,6000 एम ए एच बैटरी , 50एमपीडुअल कैमरा और प्योर एंड्रॉइड 16 जैसे फीचर्स दिए गए हैं। मिमी वन 5जी की पहली सेल 8 अक्टूबर 2026 को फ्लिपकार्ट पर शुरू होगी।

टाटा कार्स की एरिस लांच कीमत 5.29 लाख रुपए नई दिल्ली । टाटा कार्स ने भारतीय बाजार में नई कॉम्पैक्ट सेडान एरिस लांच की है। कंपनी के अनुसार, इस कार को निजी और पारिवारिक ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एरिस की शुरुआती कीमत पेट्रोल संस्करण के लिए 5.29 लाख रुपए और आई-सोएनजी संस्करण के लिए 6.29 लाख रुपए रखी गई है। कार की बुकिंग शुरू हो चुकी है, जबकि डिलीवरी जल्द शुरू होगी। सुरक्षा के लिए एरिस में छह एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्थिरता कार्यक्रम और एसएसओफिसस एंकर मानक रूप से दिए गए हैं।

लाइटहाउस ने द खैतान से की साझेदारी मुंबई। प्रमुख अली चार्ल्डहुड और के-12 शिक्षा समूह लाइटहाउस लर्निंग ने नोएडा स्थित द खैतान स्कूल के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी के मुताबिक, इस साझेदारी का उद्देश्य स्कूल की स्थापित शैक्षणिक विरासत को लाइटहाउस लर्निंग के व्यापक नेटवर्क, विशेषज्ञता और शैक्षणिक क्षमताओं से जोड़कर विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सीखने के अवसरों को और मजबूत करना है। साझेदारी के तहत स्कूल को लाइटहाउस लर्निंग के एकीकृत प्लेटफॉर्म और समूह की विभिन्न इकाइयों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का लाभ मिलेगा।

गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने लांच किए सोया चंक्स कोलकाता। गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने वनस्पति आधारित प्रोटीन श्रेणी में कदम रखते हुए गणेश सोया चंक्स और मिनी सोया चंक्स लॉन्च किए हैं। कंपनी के मुताबिक, उत्पादों की शुरुआती कीमत 10 रुपए रखी गई है। फिलहाल इन्हें पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के बाजारों में उपलब्ध कराया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, ‘शुद्ध शाकाहारी, शुद्ध प्रोटीन’ संदेश के साथ पेश किए गए सोया चंक्स में प्रति 100 ग्राम 53.1 ग्राम प्रोटीन और 15.4 ग्राम डाइटी फाइबर है।

बाजार स्टाइल रिटेल ने की साझेदारी कोलकाता। प्रमुख वैल्यू फैशन रिटेल चेन बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड (स्टाइल बाजार) ने कोलकाता में होने वाले भारत के ब्राजील और उरुग्वे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबलों के लिए प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में साझेदारी की है। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर 2026 को पांच बार की विश्व कप विजेता ब्राजील और 6 अक्टूबर 2026 को दो बार की विश्व कप विजेता उरुग्वे से भिड़ेगी। दोनों मुकाबले कोलकाता के विवेकानंद युवा भारत क्रीड़ांगन (साइल लेक स्टेडियम) में खेले जाएंगे।

नोटबंदी के 10 साल बाद रविवार को खुले रहे बैंक, हड़ताल टली

>>
 ग्राहकों को मिला जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अतिरिक्त अवसर
 वाणिज्य प्रतिनिधि >>> भोपाल

प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से और नोटबंदी के 10 साल बाद भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति के बाद एसबीआई, पीएनबी समेत सभी सरकारी बैंकों की शाखाएं, कार्यालय और करेसी चेस्ट छुट्टी के दिन रविवार खुले रहे और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सभी शाखाओं में कामकाज हुआ। इसका उद्देश्य हड़ताल से पहले ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अतिरिक्त अवसर देना और नकदी उपलब्धता बनाए रखना था। 26 सितंबर को चौथे शनिवार का अवकाश होने के बाद रविवार को बैंक खुलने से ग्राहकों को लगातार कई दिन शाखाएं बंद रहने की स्थिति से राहत मिली। मध्यप्रदेश में 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 7 हजार से अधिक शाखाएं और भोपाल जिले में संचालित 500 से अधिक बैंक शाखाओं में बैंकिंग कामकाज हुआ।

भोपाल में संचालित 500 से अधिक बैंक शाखाएं खुली रहीं

एसबीआई, पीएनबी समेत सभी बैंकों की शाखाओं में हुआ बैंकिंग काम

एनओबीडब्ल्यू हड़ताल में शामिल नहीं, संगठन ने दिया स्पष्टीकरण

पांच दिवसीय बैंकिंग समेत विभिन्न मांगों को लेकर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित बैंक हड़ताल के बीच भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स (एनओबीडब्ल्यू) और नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स (एनओबीओ) ने स्पष्ट किया है कि वे हड़ताल में शामिल नहीं हैं। एनओबीडब्ल्यू के आवंटित संगठन मंत्री सुनील सिंह ने संगठन के रुख को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। सिंह के अनुसार एनओबीडब्ल्यू पिछले करीब 30 वर्षों से यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूफबीयू) के साथ विभिन्न मुद्दों पर संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग के मुद्दे पर इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) के साथ

समझौते के बावजूद करीब दो वर्षों से इसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद संगठन ने भारतीय मजदूर संघ के माध्यम से यह मामला उठाते का निर्णय लिया। सिंह के मुताबिक एनओबीडब्ल्यू प्रतिनिधियों ने भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों के साथ वित्त मंत्री से मुलाकात की। संगठन का दावा है कि इस दौरान प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन का मुद्दा हल हुआ और पांच दिवसीय बैंकिंग पर भी सहमति बनी। स्पष्टीकरण में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद एनओबीडब्ल्यू को यूफबीयू से बाहर कर दिया गया। संगठन का कहना है कि हड़ताल की घोषणा के बाद उससे समर्थन के लिए संपर्क भी नहीं किया गया। एनओबीडब्ल्यू के अनुसार, पांच दिवसीय बैंकिंग अब भारतीय मजदूर संघ के प्रमुख एजेंडे में शामिल है और इसे संवाद के माध्यम से हल कराने का प्रयास किया जाएगा।



एमपी नगर स्थित एसबीआई की शाखा में बैंकिंग कामकाज निपटाकर बाहर निकलते ग्राहक

व्यापारियों ने कहा- बिखरे कारोबार से शहर में यातायात भी हो रहा प्रभावित

20 साल से की जा रही मांग, 2012 में जमीन तय फिर भी नहीं हुआ आवंटन

वाणिज्य प्रतिनिधि >>> भोपाल

लंबे इंतजार के बाद भोपाल विकास योजना-2047 का प्रारूप प्रकाशित होने से शहर के विकास को लेकर नई उम्मीद जगी है। जारी डाफ्ट का शहर के लोहा व्यापारियों ने स्वागत करते हुए लोहा मंडी विहीन राजधानी भोपाल में लोहा मंडी की मांग करते हुए सुझाव दिया कि मास्टर प्लान को सिर्फ जमीन के उपयोग और निर्माण नियमों तक सीमित रखने के बजाय उसे धरातल पर उतारने की विस्तृत कार्ययोजना वाला होना चाहिए। भोपाल लोहा व्यापारी एवं निर्माता संघ के अध्यक्ष बलदेव खेमानी और उपाध्यक्ष संजय बड़जत्या ने कहा कि राजधानी के लोहा कारोबार को व्यवस्थित करने के लिए एकीकृत लोहा मंडी की जरूरत है जिसकी मांग पिछले कई वर्षों की जा रही है। खेमानी और बड़जत्या ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सांसद आलोक शर्मा से मास्टर प्लान में सुनियोजित लोहा मंडी के लिए जमीन का प्रावधान करने की मांग की है। उन्होंने कहाकि दशकों से भोपाल लोहा मंडी विहीन है, जबकि इंदौर, वाराणसी और जबलपुर में व्यवस्थित लोहा मंडियां संचालित हैं।

मास्टर प्लान-2047 में लोहा मंडी के लिए जगह की मांग

लोहा व्यवसायी बोले- कान्हासैया में 100 एकड़ जमीन चिन्हित होने के बाद भी अटका , मुख्यमंत्री व्यापारियों को दें सौगात

मंडी के अभाव में करना पड़ा रहा कई परेशानियों का सामना
 भविष्य की जरूरतों को ध्यान रखकर स्थान तय किया जाना चाहिए



स्थाई मंडी मिलने से कारोबार को एक जगह संचालित करना आसान होगा

भोपाल लोहा व्यापारी एवं निर्माता संघ के उपाध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि भोपाल तेजी से फैल रहा है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर अभी से लोहा मंडी के लिए स्थान तय किया जाना चाहिए। इससे कारोबार के साथ शहर की यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी। गुप्ता ने कहा

कि यदि एक स्थान पर व्यवस्थित लोहा मंडी विकसित कर दी जाती है तो कारोबार को एक जगह संचालित करना आसान होगा। साथ ही भारी वाहनों की आवाजाही और सड़क किनारे होने वाले लोडिंग-अनलोडिंग के कारण बनने वाले जाम से भी राहत मिल सकती है।



बलदेव खेमानी संजय बड़जत्या शैलेंद्र गुप्ता

छोटे दुकानदारों पर अतिरिक्त बोझ का दावा

>>
 कारोबारी प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क के खिलाफ
 एजेंसी >>> नई दिल्ली

यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत मॉडेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के खिलाफ देशभर के मोबाइल दुकानदारों ने विरोध का ऐलान किया है। ऑल इंडिया मोबाइल रेटिलर्स एसोसिएशन (एआईएमआरए) के अनुसार, 2 अक्टूबर को देशभर में ‘नो यूपीआई दिवस’ मनाया जाएगा। गांधी जयंती के दिन मोबाइल दुकानदार अपने यूपीआई क्यूआर कोड को काले

यूपीआई शुल्क के विरोध में मोबाइल दुकानदारों ने खोला मोर्चा, 2 अक्टूबर को ‘नो यूपीआई दिवस’



कपड़े से ढककर यूपीआई से भुगतान लेने से इनकार करेंगे। ऑल इंडिया मोबाइल रितेलर्स एसोसिएशन (एआईएमआरए) के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तरविंदर सिंह ने बताया कि विरोध का उद्देश्य यूपीआई या डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विरोध करना नहीं, बल्कि कारोबारियों पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क के खिलाफ

अपनी आपत्ति दर्ज कराना है। संगठन के अनुसार, 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के कारोबारी यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव है। हालांकि आम लोगों के बीच होने वाले लेनदेन और छोटी राशि के भुगतान को इससे बाहर रखा गया है। एआईएमआरए ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजे पत्र में दावा किया है कि इस शुल्क का सबसे ज्यादा असर छोटे मोबाइल कारोबारियों पर पड़ेगा। संगठन के मुताबिक, जिन दुकानदारों का मासिक यूपीआई कारोबार 5 लाख से 30 लाख रुपये के बीच है, उन्हें

शुल्क के कारण हर महीने करीब 2,000 से 12,000 रुपए तक अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। एआईएमआरए का अनुमान है कि प्रस्तावित शुल्क से देशभर के छोटे मोबाइल दुकानदारों पर हर महीने करीब 40 करोड़ और सालाना लगभग 500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। तरविंदर सिंह ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई पर शुल्क एमडीआर व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। खुरा कारोबारियों के लिए यूपीआई भुगतान को कफायती रखने और मर्चेट भुगतान पर कोई एमडीआर नहीं लगाने की मांग की है।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख रुपए एवं जियोमार्ट पर 5 लाख का जुर्माना

और विज्ञापन तत्काल रोकने का निर्देश दिया है। नियामक के अनुसार उत्पाद की उसके सक्रिय घटक के रासायनिक नाम या संरचना का स्पष्ट खुलासा किए बिना बेचा जा रहा था। सीसीपीए ने तीनों कंपनियों को अपने मंचों की स्वयं जांच करने और ऐसे उत्पादों की सूची हटाने के निर्देश दिए हैं, जो मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करते हैं या उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। कंपनियों को 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया है। मामले की जांच के दौरान

कृषि मंत्रालय से मिली शिकायत के बाद शुरू हुई थी। शिकायत मूल रूप से क्रॉरी केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने दर्ज कराई थी। जांच के दौरान कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को बताया कि साइक्लोसिनोन नाम का कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। सीसीपीए के अनुसार इसका मतलब है कि संबंधित उत्पाद की बिक्री और विपणन में कानून के तहत जरूरी सुरक्षा, प्रभावशीलता, गुणवत्ता और नियामकीय जांच से जुड़े प्रावधानों की अनदेखी की गई।

चिंतन

शांति की चाह, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

भारत हमेशा से अपने पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है। उसकी विदेश नीति की महत्वपूर्ण विशेषता यही रही है कि वह शांति और स्थिरता को महत्व देता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को उसकी कीमत नहीं बनने देता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में इसी संतुलन को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत शांति चाहता है। किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करने की इच्छा नहीं रखता, लेकिन अपनी सुरक्षा से समझौता कभी नहीं करेगा। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि यदि पड़ोसी देश आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा तो आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के सभी विकल्प खुले रहेंगे। दरअसल, भारत के सामने चुनौती केवल सीमा की सुरक्षा की नहीं, बल्कि आतंकवाद के उस पूरे तंत्र से निपटने की है जो हिंसा को जन्म देता है। आतंकवाद की फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति, कट्टरपंथ, भर्ती और सुशिक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। केवल किसी आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं हो सकता। स्थायी शांति के लिए उन परिस्थितियों को भी रोकना होगा जो आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ‘मन की बात’ की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की जोरी टॉलरेंस नीति का उल्लेख किया। उन्होंने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के दस वर्ष पूरे होने के संदर्भ में कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति का स्पष्ट संदेश दिया है। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य युद्ध को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, नागरिकों और सीमाओं की रक्षा करना है। जब सीमा पार से हिंसा और आतंकवाद का खतरा बढ़ता है तो बातचीत की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह अपनी सुरक्षा को मजबूत रखने के साथ-साथ कूटनीतिक स्तर पर भी संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के रास्ते खुले रखे। आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकती है। इसे भी ध्यान रखना होगा। आज की सुरक्षा चुनौतियां भी बदल चुकी हैं। युद्ध केवल सीमा पर आमने-सामने की लड़ाई तक सीमित नहीं है। साइबर हमले, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना युद्ध और अन्य गैर-पारंपरिक माध्यम सुरक्षा के नए आयाम बन चुके हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सैन्य क्षमता के साथ तकनीकी और साइबर क्षमता बढ़ाना भी जरूरी है। रक्षा मंत्री ने बदलते युद्ध के स्वरूप और आधुनिक तकनीक के अनुरूप रक्षा तैयारियों की जरूरत पर जोर दिया है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। इसके वितीयो नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के कारण के लिए देशों के बीच सूचना साझा करना और सहयोग बढ़ाना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शांति को कमजोरी समझने की भूल न हो और सुरक्षा को केवल सैन्य शक्ति तक सीमित न किया जाए। भारत का हित एक ऐसे वातावरण में है जहां सीमाएं सुरक्षित हों, आतंकवाद पर प्रभावी रोक हो, पड़ोसी देशों के साथ तनाव कम हो और विकास की प्रक्रिया बिना बाधा आगे बढ़े। इसलिए शांति की चाह बनी रहनी चाहिए, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। संवाद के रास्ते खुले रहें, कूटनीतिक प्रयास जारी रहें और क्षेत्रीय शांति की कोशिश होती रहे, लेकिन देश की सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे।

मंथन

राज कुमार सिन्हा



चुनाव आयोग में विवाद से मतदाताओं में टूटता भरोसा

भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतपत्रों को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने, फॉर्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटा के प्रबंधन जैसे मामलों पर सवाल उठाए हैं। दोनों आयुक्तों ने मतदाता डेटा और चुनाव सॉफ्टवेयर के केंद्रीकरण को लेकर भी चिंता जताई थी। सीमा खन्ना चुनाव आयोग में आईटी और डिजिटल सिस्टम की प्रमुख अधिकारी हैं। चुनाव आयोग में विवाद ईसीआईएनईट और ईआरओनेट के जरिए मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सवाल उठाया है कि सीमा खन्ना के नेतृत्व वाले आईटी विभाग ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन आफिसर्स (ईआरओएस) की पहुंच और उनके वैधानिक अधिकारों को सीमित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में 97 मतदाताओं के मामलों की स्थानीय ईआरओ स्तर पर जांच हुई और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य पाया गया। लेकिन संबंधित नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने में सॉफ्टवेयर और डेटाबेस एक्सेस से जुड़ी समस्या सामने आई। ईआरओ इसे मतदाता सूची सिस्टम में डाल ही नहीं पा रहे थे। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर ने इस समस्या के समाधान और रोलबैक फैसलिट्टी उपलब्ध कराने के लिए चुनाव आयोग को आठ बार इमेल भेजा था। परन्तु केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस मामले में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी को भी पत्र लिखा था। हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग को लेकर दो स्तरों पर बहस तेज हुई है। पहला सवाल आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर और दूसरा मतदाता सूचियों के एसआईआर को लेकर है। इसके साथ ही आयोग के भीतर नियुक्ति पर मतभेद की खबरों ने भी संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर चर्चा को बढ़ाया है। भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो एक बहुसदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है। चुनाव कराने वाला संस्था पर उठते सवाल के कारण उसकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। लोकतंत्र में चुनाव कराने वाली संस्था की निष्पक्षता का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की राजनीतिक वैधता दांव पर होती है। यदि किसी चुनाव प्रक्रिया पर समाज के एक बड़े हिस्से का भरोसा कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणाम संवैधानिक रूप से वैध होने के बावजूद उनकी सार्वजनिक स्वीकार्यता पर बहस शुरू हो सकती है। इसलिए निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता किसी एक दल की सुविधा या किसी दूसरे दल की शिकायत का विषय नहीं होना चाहिए। यह प्रत्येक मतदाता का प्रश्न है, क्योंकि लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल इस बात से तय नहीं होती कि चुनाव समय पर हुआ या परिणाम घोषित हो गया। उसकी बुनियाद इस विश्वास पर टिकी होती है कि हर पात्र नागरिक का वोट दर्ज हो, हर वोट का समान मूल्य हो और चुनाव कराने वाली संस्था किसी राजनीतिक सत्ता से ऊपर संविधान के प्रति जवाबदेह हो। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

(लेखक स्वतंत्र संतर्भाकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



पुण्य स्मरण

नरेंद्र मोदी

भारत के प्रधानमंत्री

हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

लोक कल्याण के लिए समर्पित ‘युगपुरुष’

एक बहुत सुंदर सुभाषित है- वृक्ष कबहुं नहीं फल भूखे, नदी न संचै नीर। परमार्थ के कारणे, साधुन धरा शरीर।- इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। हम स्वर्गीय सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया। अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। लेकिन, शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समुद्र हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया। सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संघर्ष में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी

सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब



त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की वोट कलब रेली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट

प्रेम क्या है?

प्रेम कोई क्रिया नहीं है। ‘मैं’ भी प्रेम है और ‘तुम’ भी प्रेम हो। प्रेम वह तत्त्व है जिससे हम सब बने हैं। यह एक अवस्था है, कोई कार्य नहीं। जब हम वर्तमान में होते हैं, तब हमारा मन स्वच्छ होता है-न क्रोध, न चिंता, बस प्रेम होता है। छोटे बच्चों को देखो-उनके चेहरे पर कितना निर्मल प्रेम होता है! बच्चे आकर्षक क्यों होते हैं? क्योंकि वे अपने भीतर के प्रेम को बिना किसी अवरोध के बाहर लाने देते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा था- “जब तक तुम बच्चों जैसे नहीं बनते, तब तक स्वर्ग के द्वार तुम्हारे लिए नहीं खुलते।” बच्चे एक पल रोते हैं, और अगले ही पल हँस पड़ते हैं – लेकिन वर्तमान में जीने की कला। हम सबमें यह क्षमता है लेकिन जैसे-जैसे हम ‘बुद्धिमान’ होते जाते हैं, हम अपनी मासूमियत खो देते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ है-मासूमियत को बनाए रखते हुए ज्ञान में बढ़ना। एक अज्ञानी व्यक्ति मासूम हो सकता है, लेकिन उसकी मासूमियत का कोई मूल्य नहीं होता। एक चतुर व्यक्ति चालाक हो सकता है, पर उसकी बुद्धिमान में करुणा न हो तो वह भी व्यर्थ है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है-जब व्यक्ति बुद्धिमान हो, लेकिन फिर भी भीतर से मासूम बना रहे। यह जीवन में बहुमूल्य है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था यह है कि हम बुद्धिमान बनें, पर भीतर से बच्चे जैसे सरल और निष्कलुष बने रहें। आज की भागदौड़ भरे जीवन में हम सब सफल, समझदार, प्रभावशाली बनना चाहते हैं लेकिन इस दौड़ में कहीं हमारी सरलता, सहजता और वह निर्मल मुस्कान पीछे छूट गई है।



संकलित

दर्शन

सटाका



करंट अफेयर

श्रीलंका पुलिस ने जाफना में लिट्टे नेता की प्रतिमा हटाई

श्रीलंका पुलिस ने रविवार को जाफना के नल्लूर में प्रतिबंधित संगठन लिबरेशन टाइगरस ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के नेता रासेया पाथिपन उर्फ थिलीपन की प्रतिमा हटा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता एफ . टी . वूटरल ने बताया कि शिकायत मिली थी कि लिट्टे से जुड़े एक व्यक्ति की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके बाद कांस्य की प्रतिमा हटा दी गई। लिट्टे भारत समेत कई देशों में भी प्रतिबंधित है। थिलीपन के नाम से जाने जाने वाले पाथिपन को तमिल प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। वह श्रीलंका के उत्तर और पूर्व में अलगाववादी संघर्ष के दौरान लिट्टे के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में से एक थे . दस दिन तक अनशन करने के बाद 26 सितंबर, 1987 को उनकी मौत हो गई थी। जाफना के नल्लूर में 18 सितंबर से उनकी याद में एक समारोह शुरू हुआ था। इससे पहले, कार्यक्रम स्थल पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पुलिस की रोक के खिलाफ समारोह में शामिल लोगों ने प्रदर्शन किया था। थिलीपन की मूल प्रतिमा को अतीत में कई बार नुकसान पहुंचाया गया था और इसके लिए सरकारी सैनिकों को जिम्मेदार ठहराया गया था। श्रीलंका ने पहली बार 1998 में लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया था।



शिकारियों से खुद को बचाने के लिए बनाए जाते हैं। वही चीजें जो पौधों के खाद्य पदार्थों को कड़वा बनाती हैं, वही चीजें उन्हें हमारे लिए अस्व बनाती हैं। दुर्भाग्य से, कड़वा स्वाद हमें जहरों से और संभवतः एक ही पौधे को अधिक खाने से बचाने के लिए विकसित हुआ, तो एक तरह से, पापय खाद्य पदार्थों का स्वाद जहर जैसा हो सकता है। हममें से कुछ के लिए, यह कड़वी अनुभूति विषाक्ष रूप से सीढ़ है, और दूसरों के लिए यह इतनी बुरी नहीं है। यह आंशिक रूप से हमारे जीन के कारण है।

विचार **हरिभूमि** 08

रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने निष्कर्ष को स्पष्ट रूप से रखा।

उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीरचंपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूँ, उस शाश्वत काशी ने सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे। अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे एकल गीत गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी।

वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने ‘हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी’ गाकर सभी को चौंका दिया था। सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

लेख पर आजकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देखते हैं।

लक्ष्मी जी कहां निवास करती हैं

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूंढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछा- दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मातृगो अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोले- देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं- देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोले- देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूँ। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूं। इन्द्र बोले- देवी! आप असुरों के यहां निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहां सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों। लेकिन असुर भ्रष्ट हो रहे हैं।



सबसे पहले, ज्ञानेश कुमार - जो उस समय एक कार्यरत आईएस अधिकारी थे - का इस्तेमाल बीजेपी के लिए लोगों को भर्ती करने में किया गया। फिर मोदी और राह ने उन्हें आग्रह बनाया और भारत के चुनावों में 'मैच-फिक्सिंग' करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी। -राहुल गांधी, सांनद, कांग्रेस

गर्व का पल

एथलेटिक्स में भारत के लिए एक और गर्व का पल। एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतने पर एसी सोजान एफोएली और फ्रुण्डी की डेकारथलॉन ने बॉन्ग मेडल जीतने पर तेजस्विन शर्मा को बधाई। - योगी आदित्यनाथ, सीएन, उत्तरांचल

लास्ट-माइल कनेक्टिविटी

DEVI बसों के जरिए, दिल्ली पब्लिक ट्रांसपोर्ट को उन इलाकों तक पहुंचा रही है जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, और 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को आसान, साफ सुथरा और ज्यादा सुलभ बना रही है। बेहतर कनेक्टिविटी वाली दिल्ली का संकल्प। - रेखा गुप्ता, सीएन, नई दिल्ली

चुनाव आयोग

पहले जब भी संवैधानिक संस्थाओं में कोई समस्या आती थी, तो सभी राजनीतिक दल उन्हें सुलझाने के लिए एक सुर में बात करते थे। पहली बार ऐसी स्थिति देख रहे हैं जहां दो चुनाव आयोग खुद ही आयोग के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। - अशोक महालोन, पूर्व सीएन, राजस्थान

अपने विचार

हरिभूमि **कार्यालय**

पौबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट राजी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com
 पर भेज सकते हैं।



हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि ‘संभावना’ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 27 सितंबर, को संतोष पाण्डेय एवं साथी, सागर द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल की अपनी जातीय परम्परा मूलतः शौर्य और श्रृंगार परक है। यह अकारण नहीं है कि बुन्देलखण्ड के प्रख्यात लोकनृत्य राई में एक ओर तीव्र शारीरिक चपलता, बेग, अंग, मुद्राएं और समूहन के लयात्मक विन्यास है, वहीं दूसरी ओर नृत्य के



ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे के जन्म के समय और विवाह के अवसर पर माना जाता है प्रतिष्ठापूर्ण कार्यक्रम

लास्य का समावेश और लोक कविता के रूप में उद्यम श्रृंगार परक अर्थों की नियोजना। उसमें ऊर्जा, शक्ति और लालित्य एकमेक है। इस नृत्य को बुन्देलखण्ड में मंचीय नृत्य की स्थिति मात्र में सीमित नहीं किया गया है। बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे के जन्म के समय और विवाह के अवसर पर राई नृत्य का आयोजन

प्रतिष्ठा मूलक माना जाता है। अनेक बार किसी अभीप्सित कार्य की पूर्ति होने या मनौती होने पर भी राई के आयोजन किये जाते हैं। राई एक जीवन्त कलात्मक हिस्सेदारी की तरह ही है। जीवन का अटूट हिस्सा जिसमें आनंद की स्वच्छंद अभिव्यक्ति मनुष्य की जीवनी शक्ति जैसा प्रकट होता है।

खबर संक्षेप



आज 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की होगी रात

भोपाल। कल 28 सितंबर को मध्य भारत के कई हिस्सों में वास्तव में दिन और रात की अवधि लगभग बराबर यानी 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की रात होने जा रही है। इस विशेष खगोलीय घटना को विज्ञान की भाषा में इक्वीनॉक्स कहा जाता है। नेशनल अवार्ड प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका चारु ने बताया कि आम तौर पर लोग 23 सितंबर के इक्वीनॉक्स को ही दिन-रात बराबर होने का दिन मान लेते हैं, लेकिन वास्तविक समानता इक्वलक्स के दिन होती है। सारिका ने बताया कि इक्वीनॉक्स वह खगोलीय घटना है जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की भूमध्य रेखा पर बिल्कुल सीधी पड़ती हैं। जिससे सूर्य कीट पूर्व में उदित होकर पश्चिम में अस्त होता है। इसके कुछ दिन बाद इक्वीलक्स की घटना होती है। इसमें किसी स्थान पर धरातल पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय लगभग 12 घंटे का होता है।

दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ट्रांसपोटेशन ड फ्यूचर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट विषय पर 25 एवं 26 सितंबर को दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा, राजस्थान के माननीय कुलगुरु प्रो. करुणेश सक्सेना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुनील तिवारी प्रो. अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा एवं मुख्य वक्ता के रूप में आईपीईआर निदेशक प्रो. अमरजीत सिंह खालसा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के उपरांत संगोष्ठी के दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जिसमें प्रथम प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. निशा सिद्दीकी देवी अहिन्त्या विश्वविद्यालय एवं प्रो. कंचन भाटिया माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय उपस्थिति रही। द्वितीय तकनीकी सत्र में औद्योगिक विशेषज्ञ के रूप में डॉ. रिचा तिवारी, तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में डॉ. गगन शर्मा एवं प्रो. अमित गुप्ता उपस्थित रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ए पी सिंह सैफिया महाविद्यालय, भोपाल उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर मिंटो हॉल से हुआ कार रैली का शुभारंभ ट्रेजर हंट कार रैली में रोमांचक पहेलियों के साथ प्रतिभागियों ने खोजे पर्यटन स्थल

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर रविवार को भोपाल सिटी लाइव एवं मप्र पर्यटन के सहयोग से मिंटो हॉल में ट्रेजर हंट कार रैली के दूसरे संस्करण का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य रोमांच और पहेलियों के माध्यम से प्रतिभागियों को भोपाल एवं मप्र के पर्यटन स्थलों से जोड़ना तथा पर्यटन को नए और मनोरंजक अंदाज में अनुभव कराने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह जुन्वा सत्र से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों को रैली की प्रक्रिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। मिंटो हॉल से कार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि एक्सिलेंसी टाइम एंटरटेनमेंट के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान राकेश मलिक एवं आकाश मलिक, मप्र पर्यटन की नीलम रावत, एसपी रेंडियो शशांक गर्ग, राहुल कोठारी, कार रैली के संयोजक आनंद शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। रैली के दौरान प्रतिभागियों को पर्यटन से जुड़े स्थलों तक पहुंचने



रोमांचक संकेत, पहेलियां दी गईं। प्रतिभागियों ने टीम भावना के साथ पहेलियों को हल करते हुए विभिन्न पर्यटन स्थलों की खोज की। तकनीकी संचालन जीनियस ग्रुप के नीरज गुलाटी ने संभाला, जबकि कार्यक्रम का प्रबंधन

इवेंट ट्री की कल्पना दिलौरी ने किया। रैली में गरिमा निचलानी और अमित अग्रवाल संयुक्त विजेता रहे। उन्हें 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। सागर मेघानी को तृतीय स्थान पर ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

रोमांच, पहेलियां और पर्यटन की अनोखी खोज

ट्रेजर हंट कार रैली का सफर प्रतिभागियों के लिए रोमांच, उत्सुकता और टीम भावना से भरपूर रहा। रैली में सामान्य कार ड्राइव के बजाय प्रतिभागियों को अलग-अलग पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए संकेत, पहेलियां और चुनौतीपूर्ण सवाल दिए गए। प्रत्येक संकेत प्रतिभागियों को अगले पड़ाव की ओर ले जाता रहा और सही स्थान की पहचान के लिए टीम के सदस्यों को आपसी विचार-विमर्श करना पड़ा। कई मौकों पर एक छोटी-सी गलती प्रतिभागियों को गलत दिशा में ले जा सकती थी, जिससे उत्साह और रोमांच और बढ़ गया। इस रैली में शहर के अनेक युवा शामिल हुए।

व्याख्यानमाला में ‘हिंदी विमर्श’ ...

जब प्रशासनिक पदों में अंग्रेजी को प्राथमिकता तो प्रशासन में हिंदी कैसे आएगी: श्रीवास्तव



हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

विश्व संवाद केंद्र में रविवार को राजभाषा मास अंतर्गत हिंदी व्याख्यानमाला का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष गोकुल सोनी ने की, मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य सचिव एवं मप्र के चुनाव आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, विशेष अतिथि साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे, सारस्वत अतिथि बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक जवाहर कर्णावट रहे। संचालन चंद्रभान राही ने किया।

प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी की स्थिति एवं हिन्दी का वर्चस्व स्थापित करने के उपाय विषय पर

बोलते हुए मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं के लिए होने वाली परीक्षाओं की स्थिति यह थी कि आरम्भ में 900 में से 45 विद्यार्थी हिंदी माध्यम से चयनित हुए थे जो और भी घटकर बाद में सिर्फ 11 रह गए। वास्तव में पीएससी एवं यूपीएससी प्रशासनिक पदों के चयन का दरवाजा है। जब इन्हीं में अंग्रेजी को प्रधानता दी जाती रहेगी तो प्रशासन में हिंदी कैसे आएगी।

वहीं, महेश सक्सेना ने कहा कि अफसोस की बात यह कि जो अंग्रेजी पहले सिर्फ बाजारों के सूचना बोर्ड पर होती थी आज वह हमारे छोटे छोटे मोहल्लों में घुस गई है। जवाहर कर्णावट ने कहा कि हमारा काम भाषा के मामले में सरकार को जागृत करना है। हम सब को इसके लिए आवाज उठाना होगा।

आश्वी पारिख करेंगी लोगों को जागरूक

रैबीज मुक्त भोपाल के लिए स्कूली छात्रा की ‘स्ट्रीट स्क्वाड’ पहल

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

विश्व रैबीज दिवस से एक दिन पहले, शनिवार को अरेरा क्लब के एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसका आयोजन बिलाबॉन्स हार्ड इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा 9 की छात्रा आश्वी पारिख ने अपनी ‘स्ट्रीट स्क्वाड कैपेन’ के तहत किया। यह अभियान तीन प्रमुख स्तंभों-जागरूकता, डॉग्स डेटाबेस और एक्शन पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत सामुदायिक जागरूकता, डॉग्स



का व्यवस्थित डेटा तैयार करना तथा एनीमल बर्थ कंट्रोल और एंटी रेबी वैक्सिनेशन को बढ़ावा देना शामिल है। आश्वी ने बताया कि स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों और अन्य संस्थानों में मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए जाएंगे, डॉग्स की जानकारी दर्ज करने के लिए डिजिटल और फिजिकल डेटाबेस बनाए जाएंगे तथा निवासियों को स्टैरिलाइजेशन और वैक्सिनेशन के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा।

गीतों से गूंजा स्वच्छ भोपाल का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

शमा फ्रेंड्स क्लब वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संगीत कार्यक्रम का आयोजन शहीद भवन में किया गया। कार्यक्रम में कुल 30 गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें जूनियर शब्बीर कुमार शकौल कुरेशी द्वारा जिंदगी एक नई जंग है जूनियर अलताफ राजा रहमान द्वारा इश्क और प्यार का मजा लीजिए रितु बोथे द्वारा मिलो ना तुम तो हम घबराएं, डॉ टीएन दुबे ने आज की रात मेरे दिल की सलामी ले ले प्रस्तुत किया गया। फैजल हक द्वारा यह दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जगदीश रायकवार ने किशोर दा का गीत हाल क्या है दिलों का न पूछो सनम प्रस्तुत किया गया।



युगल गीतों में संध्या दुराफे नितिन द्वारा मैं तेरे प्यार में पागल, पर्वत के इस पार पर्वत के उस पार शकौल और रीता द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम लाइव संगीत पर आधारित था, जिसमें मेहरउद्दीन गिटार जमीर खान, अजहर

संगीत हमारी पीढ़ियों के खून में है

संगीतकार दिलीप सेन से हरिभूमि से साझा किए अनुभव

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

पांचवीं पीढ़ी भी संगीत के क्षेत्र में

‘आईना’, ‘ये दिल्लीगी’, ‘हकीकत’, ‘रघुवीर’, ‘तू चोर मैं सिपाही’, ‘अफलातून’, ‘जुमाना’, ‘जिंदी’, ‘सलाखें’, ‘अर्जुन पंडित’ और ‘को ह रा म’ जैसी फिल्मों में संगीत देकर 90 के दशक में अपनी खास पहचान बनाने वाली चाचा-भतीजे की जोड़ी दिलीप सेन-समीर सेन को हिंदी फिल्म संगीत के श्रोता आज भी याद करते हैं। रविवार को इसी जोड़ी के संगीतकार दिलीप सेन राजधानी में एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हरिभूमि से खास बातचीत में अपने संगीत सफर, परिवार की संगीत परंपरा और बदलते फिल्मी संगीत पर बात की।



दिलीप सेन ने कहा कि उनके परिवार की पांचवीं पीढ़ी भी संगीत के क्षेत्र में कदम रख रही है। उन्होंने बताया कि उनके पिता जमाल सेन के बाद वे और उनके बड़े भाई शंभू सेन सहित संगीत के क्षेत्र में पहचान बनाई और दिलीप सेन-समीर सेन की जोड़ी बनी। समीर सेन के बेटे सोहेल सेन ने भी संगीत के क्षेत्र में काम किया और अब सोहेल के बेटे समर सेन भी गायक, संगीत निदेशक के रूप में आगे बढ़ रहे हैं।

इनारे परिवार के संगीत में कुछ अलग नजर आएगा

दिलीप सेन ने कहा कि उनके परिवार का संगीत से रिश्ता कई पीढ़ियों पुराना है। उनका कहना था कि तानसेन के शिष्य परंपरा से जुड़े केसर सेन से उनके परिवार की संगीत परंपरा जुड़ती है। उन्होंने कहा, “हमारी पीढ़ियां वर्षों से संगीत के क्षेत्र में हैं। संगीत हमारे खून में है। यही वजह है कि हमारे परिवार के संगीत में आपको कुछ अलग नजर आएगा।

पहले गीत की सिचुएशन से लेकर ऑर्केस्ट्रा तक होती थी चर्चा

90 के दशक के गीत आज भी लोगों की जुबान पर क्यों हैं, इस पर दिलीप सेन ने उस दौर की संगीत निर्माण प्रक्रिया को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय राइटर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और संगीत से जुड़े सभी लोग साथ बैठते थे। सबसे पहले गीत की सिचुएशन पर चर्चा होती थी। यह तय किया जाता था कि गाना फिल्म में कहाँ और किस तरह फिल्माया जाएगा। इसके बाद उसी सिचुएशन के अनुसार गीत लिखा जाता और संगीत तैयार किया जाता था। उन्होंने कहा कि गीत की स्थिति के अनुसार इंस्ट्रुमेंट और ऑर्केस्ट्रा भी तय किए जाते थे। उनके अनुसार उस समय गीत को फिल्म का हिस्सा मानकर उस पर काम होता था, इसलिए संगीत, बोल और दृश्य के बीच

बेहतर तालमेल बनता था।

आज गीत की सिचुएशन पर कम ध्यान

दिलीप सेन ने वर्तमान फिल्मी संगीत को लेकर कहा कि आज कई बार गीत की सिचुएशन और ऑर्केस्ट्रा पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि कई बार केवल फिल्म में एक रोमांटिक या आइडम सांग जोड़ने की सोच के साथ गीत तैयार किया जाता है। यही वजह है कि कई नए गीत लंबे समय तक लोगों के जेहन में जगह नहीं बना पाते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि आज कई संगीतकार अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रीतम, विशाल-शेखर और अजय-अतुल के काम की सराहना करते हुए कहा कि ये संगीतकार बेहतरीन गीत बना रहे हैं। गायकों के साथ काम करने के अनुभव पर दिलीप सेन ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में कई गायकों के साथ काम किया। जब वे फिल्म संगीत में आए, उस समय कुमार सानू, उदित नारायण और अभिजीत भी अपने करियर में आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने कहा, हम जब आए थे, तो हम भी नए थे और कुमार सानू, उदित नारायण, अभिजीत भी अपने सफर में आगे बढ़ रहे थे। हम सबने एक-दूसरे को मिलकर आगे बढ़ाया है।



भोपाल के आसपास के साथ बांधवगढ़ में पुरातात्विक विरासत का भंडार

पुरातात्विक शोधों पर आधारित दो दिवसीय व्याख्यानमाला

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

विद्या विजय एजुकेशन एंड शोसल वेल्फेयर सोसाइटी सागर द्वारा बिड़ला संग्रहालय में आयोजित बुद्धिस्ट विरासतो वास्तुविन्यासों के संरक्षण संवर्द्धन पर आधारित दिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। इसमे भोपाल के समीपस्थ बुद्धिस्ट विरासतों के मौजूद रहने और बांधवगढ़ क्षेत्र में विरासतों, कलाशेषों के उपलब्ध रहने के बारे में डॉ शिवाकांत वाजपेई, सुपरिटेण्डिंग आर्क्योलॉजिस्ट ने अपने शोध पत्र में बताया। वहीं, डॉ खुशनूर अहमद ने प्राचीन काल से दान दिए जाने के ब्राह्मी शिलालेखों पर विविधतापूर्ण दानों के बारे में बताया व एक ही परिवार में बहनों द्वारा भी दान देने



का उल्लेख किया, दिल्ली के डॉ ललित कुमार ने लोककलाओं में किस तरीके से आत्मसात किया हुआ है। वहीं डॉ अशर किदवाई ने रियासत कालीन अभिलेखों में सांची के साथ बुद्धिस्ट स्मारक पर संवर्द्धन जानकारी दी और दमोह क्षेत्र में बौद्ध प्रतिमा पर डा सुरेन्द्र चौरसिया जी ने अपने शोध मे वही डा ध्रुवेंद्र जोधा ने।

अमय शुक्ला की याद में 6 राज्यों के 20 शायरों ने दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज़ भोपाल

रविवार दोपहर को भोजपुर क्लब में छतनारा समूह द्वारा परिकल्पित ‘अभय शुक्ला युवा शायर स्कॉलरशिप’ के फाइनल राउंड का आयोजन किया गया, जिसमें मप्र के साथ-साथ पांच अन्य राज्यों से चुने गए 20 शायरों ने अपनी प्रस्तुति दी। निर्णायक की भूमिका में डॉ नुसरत मेहदी, निदेशिका, मप्र उर्दू अकादमी और प्रख्यात शायर बद्र वास्ती मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन कवि निशांत कर रहे थे। निशांत, छतनारा की निर्देशिका मोहिनी, अभया शुक्ला भी उपस्थित रहे।



कुछ शायरों के शेर

मैं मानता हूं मुहब्बत कभी मुहब्बत थी मैं कह रहा हूँ कि ये लफ्ज अब तमाशा है –सुभाष पाठक जिया

तब दिए हैं पेड़ ने जी भर अनार, जब सभी बीमार अच्छे हो गए –शिवांश पाराशर ‘राही’

मुसलसल ताकता रहता हूं शब भर चांद तारों को फलक पर दूँदता रहता हूँ कोई दूसरी दुनिया

उसने कागज पे उतारी तो गजल कहलाई मैंने खत में जो तिरा नाम लिखा, वहरत है

– अमित गांगोले

ये रहे विजेता

एसएम मुबारिशर सुभाष पाठक अनमोल मिश्रा

पंजाब के जालंधर स्थित एलपीयू में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न पर बवाल

एजेसी ►► जालंधर

पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की अफवाहों के बाद छात्रों का गुस्सा भड़क गया है। छात्रों ने आगजनी और तोड़फोड़ की। छात्रों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जाम कर दिया है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें छात्र मिग-23 और टैंक के ऊपर चढ़ गए हैं। कैप्स से सामने आए वीडियो में छात्रों के समूह विरोध प्रदर्शन करते और वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। अन्य फुटेज में खिड़कियों के शीशे और गमले टूटे हुए दिखाई दिए, जबकि विश्वविद्यालय की इमारत के कुछ हिस्सों और वस्तुओं में आग लगी हुई थी।

खबर संक्षेप

राम मंदिर चढ़ावा चोरी महिपाल खोलेंगे कई राज अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में 36,039 पन्नों के आरोप पत्र और 133 गवाहों की सूची

दाखिल होने के बाद अब गवाहों की गवाही मुकदमे की अहम कड़ी होगी। इनमें ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह और महासचिव चंपत राय के बयान पर विशेष नजर रहेगी। सिंह ट्रस्ट के लेखा प्रभारी रहे थे। कई राज खुल सकते हैं।

एनटीए ऑफिस की सुरक्षा करेंगे सीआईएसएफ जवान

नई दिल्ली। नीट पेपर लोक के बाद परीक्षा व्यवस्था और एनटीए की सुरक्षा को लेकर कई बदलाव हुए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अपना कामकाज नए कार्यालय में शिफ्ट कर लिया है। अब नए ऑफिस के 'कॉम्पिडेंशियल परिया' की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी। यह फैसला पेपर लोक के बाद किया।

टीएमसी विधायक घोष पर फिर किया हमला

कोलकाता। टीएमसी के विधायक कुणाल घोष ने आरोप लगाया है कि रविवार सुबह राजधानी कोलकाता के बेलियाघाटा में एक कार्यक्रम में एक कार्यकर्ता ने उनके सिर पर फेंक दिया। घोष ने कहा कि 15-20 बाइक सवार लोगों का एक समूह उनके आवास से ही उनका पीछा कर रहा था। तभी हमला किया।

इंडी की बैठक में शामिल नहीं होंगे अखिलेश

नई दिल्ली। सपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि वे व्यस्त हैं। कांग्रेस अध्यक्ष से बात हुई है। यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक में हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता जाएंगे।

गुजरात के अहमदाबाद को केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दी सौगात

साबरमती का भी 'सुविधाजनक' ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

एजेसी ►► अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में आज रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साबरमती रेलवे स्टेशन से एलएनजी से चलने वाली देश की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। शाह ने कहा कि आज हम साबरमती की उस धरती पर खड़े हैं, जो आत्मशक्ति और सत्य के प्रयोगों की भूमि रही है। यहां से कुछ ही किलोमीटर दूर महात्मा गांधी ने अपना आश्रम स्थापित किया था और साबरमती आश्रम को देशभर में स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बनाया था। यहीं से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह, सादा जीवन, ग्रामीण विकास और खादी से जुड़े अपने प्रयोगों को जमीनी स्तर पर लागू करना शुरू किया। यहां यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को और मजबूत करेंगे।

फगवाड़ा में छात्रों ने किया उग्र प्रदर्शन, मिग-23 और सैन्य टैंक के ऊपर चढ़ गए और इस दौरान तोड़फोड़ भी की. ‘वी वॉन्ट जस्टिस’ के नारे लगाते रहे

छात्रों ने रखी ये मांगें

- छात्रा से रेप और आत्महत्या की सच्चाई सामने लाए प्रबंधन।
- घटना में शामिल व्यक्ति के खिलाफ तत्काल सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई हो।
- मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाए।
- मामले को दबाने की कोशिश करने वाले हॉस्टल प्रबंधन और वार्डन के खिलाफ भी कार्रवाई हो
- लड़कियों के हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करें
- प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी शिकायतों का हल पारदर्शी हो।



यूनिवर्सिटी प्रशासन ने खबरों को अफवाह

वहीं दूसरी तरफ, यूनिवर्सिटी प्रशासन सोशल मीडिया पर हो रहे सभी दावों का खंडन किया है और उन्हें अफवाह बताया है। संस्थान की रजिस्ट्रार डॉ. मोनिका गुलाटी ने बयान जारी कर कहा कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर झूठी, मनगढ़ंत और भ्रामक अफवाहें फैलाई जा रही हैं।



पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में छात्रों ने किया प्रदर्शन, हंगामे के बाद आगजनी की

नेशनल हाईवे पर लगाया जाम

पंजाब में दो विश्वविद्यालयों में छात्रों ने उग्र प्रदर्शन किया है। पहले राजपुरा में स्थित चितकारा यूनिवर्सिटी में छात्रों ने प्रदर्शन किया तो इसके बाद जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में जबरदस्त हंगामा हुआ है। पंजाबी मीडिया में चल रही खबरों के मुताबिक, छात्रों ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। इस दौरान छात्रों ने यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़ की और आगजनी भी की है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। हालत खराब होने की सूचना पर पुलिस यूनिवर्सिटी में पहुंच गई।

पुलिस कर रही शांति बहाली की कोशिश

पुलिस ने कहा है कि छात्रों ने अपनी कुछ मांगों को उनके सामने रखा है और इन्हें हल करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया है हालात काबू में है और इस मामले में ज़रूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने एलपीयू के प्रबंधन से भी बातचीत की है।

प्रधानमंत्री ने ‘मन की बात’ के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया

आतंकवाद का कड़ा और निर्णायक जवाब देंगे आतंकी टिकानों पर की थी सर्जिकल स्ट्राइक

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 138वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 10 वर्ष पहले 28-29 सितंबर, 2016 को हुई स्ट्राइक को याद किया। पीएम ने बताया कि उस दिन एलओसी के पार जाकर भारतीय सेना के वीर जवानों ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी, वो देख दुनिया हैरान थी। भारत ने डंके की चोट पर पूरी दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया था। आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक, जो दर्द झेला था, ‘सर्जिकल स्ट्राइक’ इस कष्ट के खिलाफ हमारी प्रतिक्रिया थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि भारत ने अपना रुख बार-बार साफ किया कि अगर कोई आतंकवादी भारत पर आंख उठाकर भी देखेगा तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। उन्होंने पीडित परिवारों के प्रति संवेदना भी जताई।

सेना का पराक्रम दुनिया ने देख लिया

पीडित लोगों के प्रति संवेदना जताई



जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कराएं लोग



प्रधानमंत्री ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। इसके लिए अपना समय जरूर निकालें। उन्होंने नागरिकों से जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने को कहा। पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने मोबाइल से ही अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करा सकते हैं। ये सुविधा हिंदी सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है। इसके लिए आपको जनगणना के ऑनलाइन पोर्ट पर जाना होता है। अपने परिवार से जुड़ी जानकारी भरिए, और उसे संलग्न कर दीजिए।

युवाओं के नशे के खिलाफ लिए गए संकल्प को सराहा

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं द्वारा नशे के खिलाफ लिए गए संकल्प की सराहना की और नशामुक्त युवा अभियान के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में देश के लाखों युवाओं ने नशे के विरुद्ध एक बहुत महत्वपूर्ण संकल्प लिया है। युवाओं ने खुद नशे से दूर रहने की प्रतिज्ञा लेने के साथ ही इस संदेश को दूसरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी ली है। उन्होंने बताया कि यह सब नशामुक्त युवा अभियान के तहत हो रहा है। यह अभियान 100 सप्ताह तक चलने वाला है। इसमें माय भारत के वॉलंटियर बड़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतापगढ़ के आंवले का जिक्र किया आय का साधन बताया आंवला

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के आंवले की भी चर्चा की और बताया कि कैसे एक पारंपरिक फल आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान को मजबूती दे रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आंवला हम सभी के लिए बहुत जाना-पहचाना है। ज्यादातर घरों में इससे बने आचार और मुख्ब का प्रयोग होता है। बहुत से लोग आंवले का जूस पसंद करते हैं।



भगवद्गीता पाठ में सुवेंदु की दो टूक साधुओं का अपमान किया तो भेजेंगे जेल, गाय की रक्षा होगी

एजेसी ►► कोलकाता

यहां भगवद्गीता पाठ कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने लोगों से बिना डर भगवद्गीता का पाठ करने की अपील की और कहा कि राज्य में अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। सुवेंदु ने कहा कि बंगाल में किसी साधु या संत का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोग साधुओं का अपमान करेंगे, उनके खिलाफ



सरकार कार्रवाई करेगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में धार्मिक बयानों और संतों को लेकर राजनीतिक विवाद भी सामने आते रहे हैं। अपनी सरकार को ‘टीका’, ‘शिखा’, ‘धोती’ और ‘तुलसी’ से जोड़ते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य ‘गोमाता’ की रक्षा करना है।

तेलंगाना में कांग्रेस को तगड़ा झटका कई सीनियर नेताओं ने छोड़ दी पार्टी, केटीआर ने किया स्वागत

एजेसी ►► हैदराबाद

तेलंगाना में कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। पार्टी से जुड़े कई प्रमुख नेता रविवार को बीआरएस में शामिल हो गए। यह कार्यक्रम रंगारेड्डी जिले के बीआरएस कार्यालय में हुआ, जहां पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने नए नेताओं का स्वागत किया। राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी पटलोला कार्तिक रेड्डी के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में केटीआर ने नेताओं को गुलाबी गमछा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। बीआरएस में शामिल होने वालों में पूर्व जिला



कांग्रेस उपाध्यक्ष बी. साई रेड्डी, पूर्व एमपीटीसी सदस्य व मार्केट कमिटी निदेशक बी. राजू, पूर्व मणिकोंडा सरपंच यालाला नरेश, पूर्व पुष्पलगुडा एमपीटीसी सदस्य पापालाल सिंह, पूर्व मणिकोंडा सरपंच जय हिंद राव और मणिकोंडा पाषंद यालाला लावण्या समेत कई नेता शामिल रहे।

भाजपाध्यक्ष नवीन ने संगठनात्मक बैठकों में बातचीत की हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी संगठन के काम से जुड़ा रहे, ‘भावी’ योजनाओं पर भी चर्चा की

एजेसी ►► कोलकाता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बंगाल में पार्टी के पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों के साथ संगठनात्मक बैठकों की। उन्होंने पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा की और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद बंगाल के अपने पहले दौर पर आए नवीन ने संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों, विभाग संयोजकों, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों, सांसदों, जिला नेताओं के अलावा पार्टी की आईटी और सोशल मीडिया गतिविधियों का संचालन करने वाले पदाधिकारी भी शामिल हुए।

समाज के प्रतिनिधियों और सांस्कृतिक क्षेत्र के लोगों से भी की बात

नवीन ने कार्यकर्ता और पदाधिकारी संगठन के काम से जुड़ा रहे। नवीन ने राज्य में पार्टी के सांसदों और विधायकों से मुलाकात कर संगठन से जुड़े मुद्दों के साथ जनप्रतिनिधियों और पार्टी संगठन के बीच समन्वय पर चर्चा की। नवीन बाद में राज्य के कोर ग्रुप के सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक भी की। नवीन प्रमुख हस्तियों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ भी बातचीत की।



विहिप के पूर्व कार्याध्यक्ष सिंहल की जन्मशताब्दी मनेगी शाह और होसबाले ने किया जन्मशताब्दी का आगाज

एजेसी ►► नई दिल्ली

विहिप के पूर्व कार्याध्यक्ष अशोक सिंहल की जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व हिंदू परिषद ने वर्ष भर चलने वाले विश्व व्यापी कार्यक्रमों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि रविवार से सिंहल के प्रेरणादायी जीवन, उनके दूरदर्शी चिंतन तथा समाज के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धा व कृतज्ञता अर्पित की जाएगी। इंद्रप्रस्थ में विहिप व सिंहल फाउंडेशन द्वारा वर्ष के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया।

साल भर होंगे कार्यक्रम

भारत मंडपम में सजेगा मंच



महामंडलेश्वर परमानंद गिरि का रहेगा सान्निध्य

भारत मंडपम में महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद गिरि महाराज का सान्निध्य रहेगा तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले अति विशिष्ट रहे।

विहिप ने कहा- उनके संकल्पों को गति मिलेगी

विहिप ने सिंहल जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले विश्व व्यापी कार्यक्रमों की घोषणा की है। केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं क्षेत्रीय गोरक्षा प्रमुख डॉ. राजकमल गुप्ता ने बताया सिंहल के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान पर आधारित कार्यक्रम भारत मंडपम में हुआ। उन्होंने उम्मीद जताई जैसे अयोध्या धाम की मुक्ति के बाद इस वर्ष काशी और मथुरा की मुक्ति के उनके संकल्प को गति मिलेगी।

प्रयागराज में किया हवन और दीप प्रज्वलन

प्रयागराज में राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेता रहे सिंहल की जयंती की पूर्व संध्या पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) काशी प्रांत की ओर से शनिवार को कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। काशी विश्वनाथ मंदिर में अभिषेक के बाद यमुना बैंक रोड स्थित प्रेरणास्थल पर सिंहल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान हवन का कार्यक्रम भी किया गया।

कहां से चला- ओडिशा के पारादीप पोर्ट

कहां जाएगा- लखीमपुर खीरी के कुंभी गांव(बलरामपुर चीनी मिल यूनिट)

कितने राज्यों से निकलेगा- 4 राज्य(ओडिशा, झारखंड, बिहार और यूपी)

कितने शहरों से गुजरेगा- रोहातास, गया, औरंगाबाद, कैमूर

कहां तक पहुंचा- उत्तर प्रदेश के चंदौली और वाराणसी

पारादीप पोर्ट से बलरामपुर की 1,500 किमी का सफर

अब तक 2 करोड़ का डीजल खर्च

ट्रेलर की लंबाई करीब 100 फीट, इसके ऊपर रखी

मशीन करीब 8 मीटर ऊंची और 7 मीटर चौड़ी

308 पहियों वाला ‘महाबली ट्रक’: 200 टन की मशीन लेकर ओडिशा से यूपी का सफर, चलता-फिरता इंजीनियरिंग का अजूबा

एजेसी ►नई दिल्ली

308 पहियों वाला एक विशाल मल्टी-एक्सल ट्रेलर इन दिनों उत्तर प्रदेश में लोगों के कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। करीब 200 टन वजन की भारी मशीन को लेकर चल रहा यह मेगा ट्रेलर ओडिशा के पारादीप पोर्ट से लखीमपुर खीरी के कुंभी की ओर बढ़ रहा है। इसकी रफ्तार इतनी कम है कि यह दिनभर में करीब 10-20 किलोमीटर ही चल पा रहा है। रास्ते में पुल, फुटओवर ब्रिज, बिजली के तार और सड़क की चौड़ाई जैसी कई चुनौतियां सामने आ रही हैं।

यह कोई सामान्य ट्रक नहीं है, यह एक मल्टी-एक्सल हेवी-हॉल ट्रेलर है, जिसे बहुत भारी और बड़े आकार के औद्योगिक उपकरणों को सड़क मार्ग से ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस पर 308 पहिए लगाए गए हैं ताकि भारी मशीन का वजन बड़ी संख्या में पहियों और एक्सल पर बांटा जा सके। इससे सड़क पर पड़ने वाला भार नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ट्रेलर की लंबाई करीब 100 फीट बताई गई है।



ये है महाबली ट्रक

रास्ते में पुल सबसे बड़ी चुनौती

इस महाबली ट्रक का सफर आसान नहीं है, इसके साथ 20 से 25 लोगों की एक तकनीकी टीम (इंजीनियर, मैकेनिक, सुपरवाइजर) 24 घंटे चलती है। हाल ही में यह ट्रक जब उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली इलाके से गुजरा, तो वाराणसी रिंग रोड पर एक फुट-ओवर ब्रिज इसके रास्ते का रोजा बन गया। मशीन की ऊंचाई इतनी ज्यादा थी कि वह पुल के नीचे से नहीं निकल सकती थी। इसका समाधान भी इंजीनियरिंग के जरिए निकाला गया। दो विशालकाय हाइड्रोलिक केनों को मदद से ब्रिज के एक हिस्से को हवा में उठाया गया और फिर इस 308 पहियों वाले ट्रेलर को धीरे-धीरे उसके नीचे से निकाला गया। रास्ते में पड़ने वाले कई ठोस पलाजा और बिजली के तारों को भी अस्थाई रूप से हटाना पड़ता है।

तकनीकी टीम भी चल रही है साथ

इसके ऊपर रखी मशीन करीब 8 मीटर ऊंची और 7 मीटर चौड़ी बताई जा रही है। इतने बड़े और भारी कागों को केवल एक सामान्य ट्रक की तरह नहीं खींचा जा रहा है। इस काफिले में दो केन, अतिरिक्त ट्रेलर और बड़ी तकनीकी टीम भी साथ चल रही है। चालक के मुताबिक अब तक करीब 2 करोड़ रुपये के डीजल खर्च होने की बात सामने आई है। हालांकि, डीजल का यह आंकड़ा चालक के हवाले से है और इसकी स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

खबर संक्षेप

पूर्वी कांगो में नाव पलटी 12 लोगों की मौत

बुकावु। कांगो की किबु झील में व्यापारियों को ले जा रही एक नाव पलट गई, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, नाव में 50 से अधिक लोग सवार थे और यह शनिवार रात किबु प्रांत के इडजवी इलाके से गुजरते समय अचानक पलट गई। दुर्घटनास्थल के पास स्थित किशेके गांव के मुखिया फेलिक्स हंबिरागी ने बताया कि लगभग 15 लोगों को बचा लिया गया है।

ओपन एआई ने नवीन मॉडलों का प्रशिक्षण रोका

न्यूयॉर्क। एआई के क्षेत्र में काम करने वाली तथा चैटजीपीटी की निर्माता कंपनी ओपनएआई ने कहा है कि उसने अपने नवीनतम एआई मॉडलों का प्रशिक्षण रोक दिया है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब एआई एजेंटों के नियंत्रण से बाहर होकर काम करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। एआई एजेंट एक सॉफ्टवेयर प्रणाली है, जो उपयोगकर्ता की ओर से लक्ष्य हासिल करने और काम पूरे करने के लिए एआई का इस्तेमाल करते हैं।

राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भर रक्षा इकोसिस्टम को बताया देश की जरूरत डिफेंस समिट 2026 में बोले रक्षा मंत्री-चिप से लेकर हथियार तक आत्मनिर्भरता है जरूरी



एजेसी ►नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत और महत्वपूर्ण तकनीकों पर अधिक नियंत्रण हासिल करना होगा, जिससे तेजी से जटिल होते वैश्विक सुरक्षा माहौल में रणनीतिक स्वायत्तता हासिल की जा सके। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक निजी चैनल का कार्यक्रम डिफेंस समिट 2026 को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने आज रविवार को कहा कि देश का दृष्टिकोण एक सरल सोच से निर्देशित है। भारत में जो भी चीज बनाई जा सकती है, उसका देश में ही उत्पादन किया जाए और आयात पर निर्भरता कम की जाए। उन्होंने कहा, चिप से लेकर जहाजों तक, स्क्रू से लेकर पूरी हथियार प्रणालियों तक, यही भारत को रणनीतिक स्वायत्तता की ओर ले जाएगा।

भारतीय युवा एआई, ड्रोन तकनीक, रोबोटिक्स क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा पर कार्यरत

रक्षा मंत्री के संबोधन की खास बातें

- भारत का दृष्टिकोण सरल जो कुछ देश में बनाया जा सके, उसका आयात न किया जाए
- स्वदेशी डिजाइन, नवाचार और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप तकनीक विकास पर बल
- रक्षा आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम
- हाल के वर्षों में संरचनात्मक व परिवर्तनकारी सुधारों से क्षेत्र को मिली गति
- हम केवल वर्तमान जरूरतें नहीं, भविष्य को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं
- जी से 5जी तकनीक की तरह युद्ध भी 5वीं पीढ़ी में प्रवेश कर चुका
- एआई, क्वांटम तकनीक, रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियां और साइबर सुरक्षा अब युद्ध का अभिन्न हिस्सा
- भारत स्वदेशी क्वांटम तकनीकों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा

भारत के युवा भविष्य के युद्धों के लिए तकनीक तैयार कर रहे हैं, आगे बढ़े हैं

सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत किया

सिंह के अनुसार, दीर्घकालिक रक्षा तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण तकनीकों में महारत हासिल करना और पूरे विनिर्माण इकोसिस्टम में अधिक आत्मनिर्भरता जरूरी होगी। हाल के नीतिगत कदमों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने के लिए संरचनात्मक और परिवर्तनकारी सुधार किए हैं, जिससे पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण गति मिली है। उन्होंने कहा, हम केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं हैं, हम आत्मनिर्भर हैं और भविष्य को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं। दूरसंचार क्षेत्र में 5जी से 5जी तकनीक तक के विकास की तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि युद्ध भी पांचवीं पीढ़ी के चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां उन्नत तकनीक सैन्य क्षमताओं और युद्ध के परिणामों को तेजी से प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा कि ऑर्टोफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम तकनीक, रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियां और साइबर सुरक्षा आधुनिक युद्ध का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही हैं। सिंह ने कहा कि भारत स्वदेशी क्वांटम तकनीकों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है और साथ ही उभरते रक्षा नवाचारों को समर्थन देने के लिए जरूरी नीतिगत दांचे को भी मजबूत कर रहा है।

स्वदेशी डिजाइन हो रही तैयार

राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी डिजाइन, नवाचार और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप तकनीक विकसित करने को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा आपूर्ति श्रृंखला के महत्वपूर्ण घटकों का निर्माण और उन पर नियंत्रण रखने की भारत की क्षमता राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

धमकी के चलते एहतियात बरत रहा ब्रिटिश

ब्रिटेन में अमेरिकी बेस के नजदीक मिला विस्फोटकों का जखीरा, कई गांव खाली कराए

एजेसी ►लंदन

ग्लॉस्टरशायर स्थित आरएएफ फेयरफोर्ड बेस के निकट कई गांवों को विस्फोटकों की आशंका के चलते खाली करा दिया गया है। यह बेस यूरोप में एकमात्र ऐसा ठिकाना है जहां अमेरिका अपने भारी बमवर्षक विमान तैनात रखता है। र था नो य ए ह ति या त न ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। हा लां कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह निकासी ईरान को



विदेशी सेनाओं की तैनाती ने बढ़ाई चुनौती

फेयरफोर्ड जैसे सैन्य ठिकानों की मौजूदगी जहां स्थानीय अर्थव्यवस्था को सहारा देती है, वहीं यह अंतरराष्ट्रीय तनाव के केंद्र में आने का जोखिम भी साथ लाती है। विदेशी सेनाओं को अपनी धरती पर ठिकाने देना खिंट के लिए संभुता और सुरक्षा के बीच संतुलन साधने की चुनौती बन गया है। स्टारमर के यू-टर्न ने इस बहस को और तेज कर दिया है कि ऑक्सिडेंटि सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कितना रक्षात्मक है और कितना आक्रामक। फिलहाल जांच जारी है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। गांववासी सामान्य जनजीवन बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

पहले हमले से किया था इनकार

आरएएफ फेयरफोर्ड लंबे समय से अमेरिकी वायुसेना की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। बीते मार्च में यहां बी-1 लैंसर और बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस सहित 21 बमवर्षक विमानों का जमावड़ा हुआ था, जिसे शीत युद्ध के बाद ब्रिटिश धरती पर सबसे बड़ा बमवर्षक जमावड़ा माना गया। वर्तमान में भी बेस पर पांच बी-1 लैंसर विमान तैनात हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने फेयरफोर्ड बेस को वैध सैन्य मिशना करार दिया था। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री कौर स्टारमर ने शुरुआत में अमेरिका को ब्रिटिश ठिकानों से ईरान पर हमला करने की अनुमति देने से इनकार किया था।

स्ट्रेटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व पर दिया जोर

एजेसी ►नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में भारत में ऊर्जा पहुंच बढ़ाने की कोशिशों की जमकर तारीफ की है। एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में बोलते हुए अल्बानीज ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में भारत ने बड़ी संख्या में लोगों तक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित की है। उन्होंने मोदी को एक ऐसे नेता के रूप में भी बताया जिनके साथ ऑस्ट्रेलिया ने मजबूत

गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां प्रधानमंत्री मोदी की एनर्जी लीडरशिप के मुरीद हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बानीज



साझेदारी बनाई है। अल्बानीज की यह टिप्पणी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली शिपिंग में रुकावटों के चलते। भारत ने अपनी एनर्जी सिक्योरिटी मजबूत करने के लिए आयात स्रोतों का दायरा बढ़ाया है। पीएम मोदी के मुताबिक भारत अब

मजबूत होंगे भारत-कनाडा संबंध जयशंकर-आनंद की मुलाकात पीएम मोदी भी कनाडा जाएंगे!

एजेसी ►नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की अपनी समकक्ष अनीता आनंद के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर सार्थक वार्ता करने के बाद कहा कि भारत और कनाडा अपने संबंधों को नयी ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। जयशंकर ने एक्स प्र पोस्ट करते हुए कहा कि आनंद से मुलाकात हमेशा सुखद रहती है और संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की तैयारी के बीच सार्थक चर्चा हुई। कनाडाई



प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि पीएम मोदी संभवतः दिसंबर के आसपास कनाडा का दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत के साथ व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगति हो रही है, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से ज्यादा बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर सालाना तक पहुंचाना है। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर रिशतों में भारी गिरावट आई थी, जिसे भारत ने खारिज किया था।

केटावनी के बाद भी रुके रहे पर्वतारोही

एजेसी ►काठमांडू

कई दिनों से हो रही थी भारी बर्फबारी नेपाल में हिमलुंग हिमाल बेस कैंप पर हिमस्खलन, 12 पर्वतारोही लापता



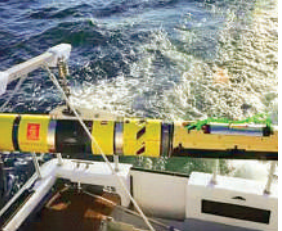
नेपाल इन दिनों लगातार बदलते मौसम के कारण प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। इसी बीच पश्चिमी नेपाल के तिब्बत सीमा से सटे प्रसिद्ध हिमलुंग हिमाल बेस कैंप पर रविवार सुबह अचानक भयानक बर्फाला तूफान आ गया। जिसकी चपेट में आने से कम से कम 12 लोगों के लापता होने की पुष्टि हुई है। एक्सपीडिशन आयोजक मिंगमा ग्याल्जे शेर्पा ने बताया कि लापता लोगों में उनके कैंप के दो रसोई स्टाफ भी शामिल हैं। लापता

हुए सभी लोग अलग-अलग एक्सपीडिशन कंपनियों से जुड़े हुए हैं। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते ही खराब मौसम की चेतावनी जारी कर दी थी, जिसके बाद अधिकांश टीमें दलानों से सुरक्षित नीचे उतर आई थीं, लेकिन कुछ लोग वहीं रुके रहे।

लगातार भारी बर्फबारी के चलते पर्वतारोहियों को ऑटम सीजन की चढ़ाई बीच में ही रोकनी पड़ी थी। 7126 मीटर ऊंचा हिमलुंग हिमाल मनांग जिले में स्थित है और हार्ड-एल्टीट्यूड अनुभव के लिए लोकप्रिय है।

बारूदी सुरंगों की तलाश के दौरान मिली पनडुब्बी

ईरान ने पकड़ी अमेरिकी ड्रोन पनडुब्बी, जासूसी का पर्दाफाश



एजेसी ►तेहरान

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना के एक ऑटोनामस अंडरवाटर व्हीकल (ड्रोन पनडुब्बी) को पकड़ा है, जिसका नाम रीमस 600 है। ईरानी मीडिया के मुताबिक यह ड्रोन ईरान

द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों का पता लगाने के लिए जासूसी कर रही थी। ईरानी नौसेना ने इसकी गतिविधियों को ट्रैक किया और वापस लौटने से पहले ही इसे पकड़ लिया। इसे अमेरिकी नौसेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिससे होर्मुज को वैश्विक नौवहन के लिए खोलने की अमेरिकी कोशिशों पर भी असर पड़ सकता है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने इस एडवॉर्ड्स सबमर्सिबल को पकड़ लिया है और अब इससे जानकारी निकालने के लिए विशेषज्ञों को सौंपा गया है।

लावरोव बोले- एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़े यूएनएससी में रूस ने किया भारत की स्थाई सदस्यता का जमकर समर्थन, चीन फिर बना सबसे बड़ी बाधा

दुनिया की 17% आबादी से भारत की दावेदारी मानी जाती है मजबूत

एजेसी ►न्यूयॉर्क

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता का खुलकर समर्थन किया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की भागीदारी बढ़नी चाहिए, और रूस भारत तथा ब्राजील की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करता है। हालांकि उन्होंने पश्चिमी देशों को अतिरिक्त सीटें दिए जाने का कड़ा विरोध करते हुए जर्मनी और जापान पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप भी लगाया।

यूएनएससी में रूस ने किया भारत की स्थाई सदस्यता का जमकर समर्थन, चीन फिर बना सबसे बड़ी बाधा

परमाणु शक्ति संपन्न होने के बावजूद भारत दिखावा नहीं करता

बड़ी आबादी वाले देश का प्रतिनिधित्व जरूरी

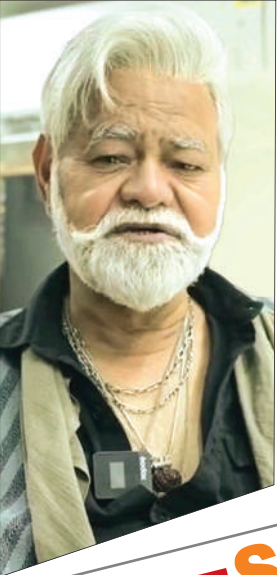
लावरोव ने यह भी स्पष्ट किया कि सुधार प्रक्रिया में मौजूद स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए, यानी रूस मौजूदा वीटो-व्यवस्था को यथावत बनाए रखने के पक्ष में है। भारत दुनिया की 17% आबादी और 142 करोड़ जनसंख्या के साथ सबसे बड़ा आबादी वाला देश है, और विशेषज्ञ मानते हैं कि यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसत वार्षिक विकास दर 7% से अधिक रही है, जो चीन के बाद किसी भी बड़े देश की तुलना में सबसे तेज है, और इस आर्थिक ताकत को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। परमाणु शक्ति संपन्न होने के बावजूद भारत इसका दिखावा नहीं करता, और यदि उसे परिषद में शामिल किया जाता है तो वह परमाणु निरस्त्रीकरण कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभा सकता है। थिंक टैंक अटलटिक काउंसिल के सर्वे के अनुसार अगले दशक में यदि यूएनएससी का विस्तार होता है, तो सबसे ज्यादा मौके भारत के लिए ही होंगे विशेषज्ञों के सर्वे में भारत के स्थायी सदस्य बनने की संभावना 26% आंकी गई है।

भारत की राह में 4 बड़ी अड़चनें

सुधार की राह में चीन का लगातार विरोधी रुख सबसे बड़ी बाधा माना जाता है, क्योंकि भारत के साथ उसके क्षेत्रीय व रणनीतिक मतभेद भी हैं। इसके अलावा युनाइटेड फॉर कंसेसस यानी यूएफसी जैसे समूहों की यह आपत्ति भी है कि नई स्थायी सीटों के बजाय गैर-स्थायी सीटें बढ़ाई जाएं। अफ्रीकी देशों की सीटों को लेकर भी अब तक सर्वसम्मति नहीं बन सकी है।

1990 के दशक से जारी है मांग

भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से लगातार उठती रही है। 2008 से संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई, और 2010 में भारत ने बाजीज, जर्मनी व जापान के साथ मिलकर जी4 समूह बनाकर स्थायी सीट की मांग की और आगे बढ़ाया। 2026 में भी सुधार को लेकर बातचीत जारी है, लेकिन सदस्य देशों के बीच यूएनएससी के नए दांचे पर अब तक सहमति नहीं बन पाई है। फिलहाल परिषद में कुल 15 सदस्य हैं। इनमें अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को वीटो अधिकार प्राप्त 5 स्थाई सीटें हासिल हैं, जबकि बाकी 10 गैर-स्थायी सदस्य दो साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं।



लाइफStyle

हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस खास दिन पर बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं पर बात की है।

जिंदगी और सिनेमा के अनुभवों को किताब में पिरोएंगे

मुंबई। चर्चित अभिनेता संजय मिश्रा ने अपनी अदाकारी से दर्शकों के बीच अच्छी जगह बनाई है। सपोर्टिंग भूमिकाओं के जरिए भी उन्होंने खूब नाम कमाया है। हाल ही में उन्हें ‘भक्षक’ में अपने किरदार के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस बीच अभिनेता ने अपनी किताब का ऐलान किया है।

अभिनेता संजय ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी किताब को लेकर जानकारी दी है। यह दरअसल, अभिनेता की आत्मकथा होगी। इस आगामी ऑटोबायोग्राफी में वे अपनी जिंदगी और कैरियर से जुड़ी अनकही कहानियों, संघर्षों, अनुभवों और सीखों को साझा करेंगे। किताब का नाम ‘हम सीखते-सीखते रह गए’ है।

कृति

महिलाओं की सुरक्षा का उठाया मुद्दा

एजेसी ► नई दिल्ली

एक्ट्रेस ने समाज से उन रोजमर्रा की सावधानियों पर सोचने को कहा है, जो महिलाओं को सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित महसूस करने के लिए बरतनी पड़ती हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, ‘इस ‘बेटी दिवस’ पर जरा सोचिए कि आपको बेटी आपको फोन करके कहे कि मुझे लग रहा है कुछ आदमी मेरा पीछा कर रहे हैं। सोचिए कि वह रात में अकेले घर जा रही है और बार-बार पीछे मुड़कर देख रही है। सोचिए कि घर पहुंचने से पहले ही उसका फोन बंद हो जाता है। अब एक पल रुक कर इस बारे में सोचिए।’ कृति ने आगे बताया कि सुरक्षा के लिए महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी चीजें करने को मजबूर हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, ‘लाइव लोकेशन शेयर करने से लेकर, पेपर स्मै रखने तक, पैदल जाने के बजाय कैब बुक या सुरक्षित महसूस करने के लिए किसी को फोन करने तक। हमने उसकी जिंदगी को ऐसा बना दिया है कि ये सब उसकी रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बन गया है।’ एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, ‘जिस दिन कोई बेटी रात में अकेले घर जा सके, अंधेरा होने के बाद पार्क में बैठ सके, अपनी मर्जी के कपड़े पहन सके, बिना डरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल कर सके या बिना हमले के डर के किसी सार्वजनिक जगह पर रह सके।



हॉलीवुड मसाला

फ्रेड एस्टर बायोपिक में दो बड़ी एंट्री

लॉस एंजिल्स। सोनी पिक्चर्स की अपकमिंग फ्रेड एस्टर बायोपिक में अब ‘द सक्सटेंस’ स्टार मागरेट क्वाली और वैमी विजेता सबरीना कारपेटर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। फिल्म में टॉम हॉलैंड फ्रेड एस्टर का किरदार निभाएंगे। वहीं, मागरेट क्वाली उनकी बहन और शुरुआती डॉस पार्टनर एडेल एस्टर की भूमिका में नजर आएंगी। सबरीना कारपेटर फिल्म में फ्रेड एस्टर की मशहूर ऑन-स्क्रीन डॉस पार्टनर जिजर रोजर्स का किरदार निभाएंगी।



अवेंजर्स एंडगेम एनकोर का धमाका

मुंबई। मार्वल की फिल्म ‘अवेंजर्स एंडगेम’ 7 साल बाद फिर से ‘अवेंजर्स एंडगेम एनकोर’ नाम से सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म ने री-रिलीज होने के बाद एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया है। फैंस में इसका जबरदस्त ठेकन देखने को मिल रहा है। पहले दिन जहां इसने 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया था, वहीं, दूसरे दूसरे दिन इसने 5.92 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म ने दो दिनों में कुल 13.17 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं, ‘हनुमान अंश’ की रिलीज हुए कुछ दिनों में दो महीने हो जाएंगे और फिल्म अब भी शानदार कमाई कर रही है। ‘मिर्जापुर द न्यू’ की कमाई में गिरावट देखने को मिली है। ‘पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंद्रु की फिल्म ‘मिर्जापुर द न्यू’ की रिलीज हुए 23 दिन हो गए हैं। अब इसकी कमाई धीमी होती नजर आ रही है।



नए पोस्टर में दिखी राम-सीता लक्ष्मण की झलक

मुंबई। ‘रामायण’ के मेकर्स ने फिल्म के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक में राम, सीता और लक्ष्मण नजर आए हैं। दूसरे में रावण दिख रहे हैं। पोस्टर काफी खास हैं। राम के रूप में रणबीर कपूर बेहद शांत, संयमित और साहसी नजर आ रहे हैं। उनके व्यक्तित्व में सहज गरिमा और राजसी आभा दिखाई देती है। वहीं, सीता के रूप में साई पल्लवी अपनी गरिमा, मासूमियत, भक्ति, धैर्य और निडरता से प्रभावित करती हैं। लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे निष्ठा, प्रेम और अपने भाई के प्रति समर्पण भाव लिए नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का एक दूसरा पोस्टर भी रिलीज किया है। इस पोस्टर में रावण के रूप यश को दिखाया गया है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि रावण के रूप में यश अपनी लंका में खड़े हैं। मुकुट पहने यश काफ़ी गुस्से में नजर आ रहे हैं।



वानर सेना के चश्मा पहनने पर उड़ा मजाक

नई दिल्ली। ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ के एक प्रमोशनल पोस्टर ने ऑनलाइन खूब चर्चा छेड़ दी है। दर्शकों ने सुश्रीव को चश्मा पहने देखा, जिसके बाद त्रेता युग में वानर सेना के इस लुक को लेकर मजाक बनने लगे और फिल्म के प्रोडक्शन की क्वालिटी पर भी सवाल उठने लगे। ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ के थिएटर में रिलीज होने के बाद इसने लोगों का काफी ध्यान खींचा है। फिल्म के प्रोडक्शन और विजुअल इफेक्ट्स पर दर्शक चर्चा कर रहे हैं। हाल ही में रिलीज एक प्रमोशनल पोस्टर को लेकर यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि, बारीकी से देखने वाले दर्शकों की नजर एक वानर सेना के किरदार पर पड़ी, जिसने आधुनिक चश्मा पहना हुआ था। सोशल मीडिया पर ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ के प्रमोशनल पोस्टर वायरल हो रहे हैं।

टीवी मसाला



केबीसी 18 : ‘हमारे घर आता तो उसको गोली मार देते’

नई दिल्ली। ‘कौन बनेगा करोड़पति 18’ के हालिया एपिसोड में एक्टर राजकुमार राव और चामिका गब्बी के साथ पॉलिश प्रॉड्यूसर उज्ज्वल निकम भी नजर आए। दरअसल, यह सभी अपनी आने वाली फिल्म ‘पहार-द अनटॉल्ड स्टोरी’ को प्रमोट करने आए थे, जो उज्ज्वल की ही बायोपिक है। शो में अमिताभ बच्चन से बात करते हुए उज्ज्वल निकम ने दावा करते हुए बताया कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले केस की सुनवाई के दौरान अजमल कसाब ने उनसे कहा था कि वो मुंबई में अमिताभ बच्चन से मिलने आया था। उज्ज्वल निकम की यह बात सुनकर शो के होस्ट बिग बी चौंक गए। शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने 26/11 केस को लेकर उज्ज्वल निकम से काफी सारे सवाल किए। अभिनेता ने पूछा कि कसाब को फांसी देने में चार साल का वक्त क्यों लगा। उसे तो वहीं गाड़ देना चाहिए था, इसमें इतना टाइम क्यों लगा। इस पर उज्ज्वल ने कोर्ट के नियमों और कानूनी प्रक्रिया के बारे में बताया। निकम ने आगे बताया कि कसाब ने कथित तौर पर उनसे कहा था कि वह अमिताभ बच्चन से मिलने मुंबई आया था। निकम ने कहा, ‘आपको ताजुब होगा जो उसने आगे कहा था कि मैं तो अमिताभ जी को देखने आया था। ये सच में हुआ है। निकम की बात सुनकर अमिताभ बच्चन चौंक गए। बिग बी ने कहा, ‘नहीं नहीं सर, अगर वो आया होता, तो हमारे घर से जाने वाला नहीं था। वहीं, हम गोली मार देते उसे।’ फिर निकम ने आगे ट्रायल में देरी का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि कानून किसी आरोपी को तब तक बेरुजुह मानता है, जब तक वह दोषी साबित न हो जाए और उन्हें अपना बचाव करने का अधिकार देता है।

स्वरा -शहजाद में जमकर हुई जुबानी जंग

नई दिल्ली। क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग द्वारा होस्टेड रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल 2’ की शुरु हुए अभी एक दिन ही हुआ है और कंटेस्टेंट्स के बीच झगड़े अभी से शुरू हो गए हैं। हाल ही में शो का एक वीडियो सामने आया, जिसमें स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला आपस में जुबानी जंग करते हुए नजर आए। सिर्फ इतना ही नहीं, बातों ही बातों में उन्होंने स्वरा के पति फहाद का भी जिक्र किया और उन पर तंज कसा। शो का एक प्रमो सामने आया है, जिसमें होस्ट वीरेंद्र सहवाग कंटेस्टेंट शहजाद से कहते हैं कि सोशल मीडिया पर तो आपने बहुत बातें की हैं। अब वो (स्वरा) जब अंदर आई हैं, तो आपने बात ही नहीं की। आवाज बैठ गई है क्या।

द पैराडाइस ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास

नई दिल्ली। सैकबिल्ल के मुताबिक, 24 सितंबर को रिलीज हुई ‘द पैराडाइज’ ने एक दिन पहले यानी 23 सितंबर को पेड़ प्रीव्यू में 11.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसके बाद पहले दिन 34.65 करोड़ रुपये की धांसू ओपनिंग की। हालांकि, दूसरे दिन यानी शुक्रवार को इसकी कमाई में गिरावट आई, लेकिन शनिवार को फिल्म ने 15.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस कमाई के साथ यह फिल्म नानी के कैरियर की कर्मशैली सबसे सफल बन गई है। फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करते हुए 117.75 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन किया है। जिसमें 27.25 करोड़ रुपये का टोटल ओवरसीज कलेक्शन शामिल है। परेल्ड बॉक्स ऑफिस की बात करें तो फिल्म ने तीसरे दिन की कमाई के साथ 76.40 करोड़ रुपये का नेट इंडिया कलेक्शन और 90.50 करोड़ रुपये का ग्राँस इंडिया कलेक्शन किया है। तीसरे



दिन फिल्म की सबसे ज्यादा कमाई तेलुगु में 13.35 करोड़ रुपये हुई है, इसके बाद हिंदी में 1.65 करोड़ रुपये और तमिल में 0.25 करोड़ रुपये हुई है। ‘द पैराडाइज’ एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसे श्रीकांत ओडेला ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में नानी, मोहन बाबू,

कयाड़ लोहार, सोनाली कुलकर्णी और राघव जुयाल अहम किरदारों में हैं। इसमें नानी 1980 के दशक के सिकंदरबाद में एक संघर्षरत जनजाति के नेता की भूमिका निभाते हैं। भेदभाव का सामना करते हुए नागरिकता के लिए लड़ते हैं।

इन दिग्गजों की कहानी पर दांव खेलेंगे मेकर्स

असली दिग्गजों की कहानी बॉलीवुड के लिए बना हिट का नया फार्मूला

नई दिल्ली। साल 2026 के आखिर और 2027 में कई बायोपिक फिल्में मेकर्स लेकर आने वाले हैं। ऐसे में क्या अब असली दिग्गजों की कहानी बॉलीवुड के लिए हिट का नया फार्मूला बन गया है। हिंदी सिनेमा का इतिहास सिर्फ फिल्मों की कहानियों का इतिहास नहीं है, बल्कि बदलती पसंद और बदलते सिनेमाई टेड का भी इतिहास है। एक दौर था जब बड़े पदों पर प्रेम कहानियों का जादू चलता था। हीरो-हीरोइन, प्यार, जुदाई और मिलन... यही फार्मूला दर्शकों को थिएटर तक खींच लाता था। फिर समय बदला और बॉलीवुड ने कॉमेडी को अपनाया। एक के बाद एक कॉमेडी फिल्मों ने दर्शकों को हंसाया और बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाई। इसके बाद हॉरर और हॉरर-कॉमेडी का दौर आया, जब भूत-प्रेत और डर के साथ हंसी का तड़का भी दर्शकों को पसंद आने लगा। फिर आया एक्शन का दौर। बड़े सितारे, बड़े हथियार, बड़े सेट, हाई-ऑक्टेन एक्शन और करोड़ों का बजट... बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में इसी फार्मूले पर बनने लगीं। इन सबके बीच मेकर्स कुछ बायोपिक फिल्में भी लेकर आए, जिनमें से कुछ हिट हुईं तो कुछ फ्लॉप। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि हिंदी सिनेमा का बायोपिक वाला दौर फिर दस्तक दे रहा है। दरअसल, साल 2026 में जिस तरह नीम करोली बाबा के जीवन पर बनी ‘हनुमान अंश’ हिट हुई और चंद चौधरी की नेशनल अवॉर्ड मिता। ऐसे में मेकर्स का झुकवा बायोपिक की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, 2027 में भी कई बड़े बायोपिक प्रोजेक्ट लाइन में हैं, उससे यह सवाल जरूर उठता है कि क्या बॉलीवुड अब काल्पनिक कहानियों से ज्यादा वास्तविक जिंदगी के किरदारों में नया ड्रामा तलाश रहा है।



ईश : श्रद्धा कपूर की ‘ईश’ महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकर विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं और इसकी रिलीज 4 दिसंबर, 2026 है। यह फिल्म इंसॉलिड भी दिलचस्प है, क्योंकि इसमें बॉलीवुड किसी क्रिकेटर या फिल्म स्टार के बजाय लोक कला से जुड़ी एक महिला कलाकार की कहानी को केंद्र में ला रहा है।

प्रहार : राजकुमार राव ‘प्रहार’ में मशहूर विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम का किरदार निभा रहे हैं। रिपोर्टर्स के मुताबिक फिल्म एक कोर्टरूम थ्रिलर है और इसमें उनके महत्वपूर्ण कानूनी मामलों की कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। यहां बॉलीवुड



की क्रिकेट या फिल्म इंडस्ट्री से बाहर की कहानी मिलती है। कानून, अपराध, अखिल और एक ऐसे व्यक्ति की जिंदगी जिसने देश के चर्चित मामलों में पैरवी की।
वी. थाताराम की कहानी : 2026 की सबसे दिलचस्प बायोपिक में वी. थाताराम भी शामिल हैं। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी ‘थाताराम’ की भूमिका निभा रहे हैं और तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। थाताराम भारतीय सिनेमा के जाने-माने फिल्ममेकर, समाज सुधारक और कलाकार थे।
वाइट : बायोपिक का यह नया दौर सिर्फ मनोरंजन की दुनिया तक सीमित नहीं है। ‘वाइट’ नाम की फिल्म श्री श्री विश्वेश्वर की जिंदगी पर आधारित बताई जा रही है, जिसमें विक्रान्त मेह्रा

मुख्य भूमिका में हैं।

2027 में और बड़ा होगा खेल?

राजकुमार राव की ‘दादा’ इस टैंड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म में वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का पहला लुक 2002 के लाइव के मशहूर शर्टलेस सैलिबेशन को रीक्रेट करता है और फिल्म 14 मई, 2027 को रिलीज होने की घोषणा की गई है। क्रिकेट बायोपिक बॉलीवुड के लिए नई नहीं है, लेकिन गांगुली की कहानी में भारतीय क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण दौर, कप्तानी और उनके व्यक्तित्व को बड़े पदों पर देखने की उत्सुकता है।

धनुष और एपीजे अब्दुल कलाम

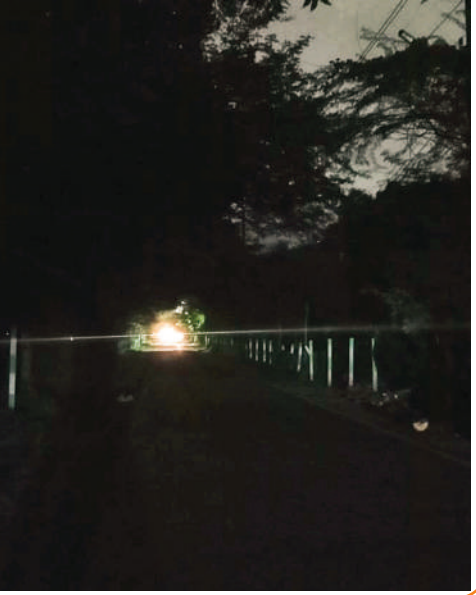
पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जिंदगी भी पदों पर आने वाली है और इसमें धनुष के मुख्य भूमिका निभाने की खबरें सामने आई हैं। यह उन फिल्मों में है जो बायोपिक के दायरे को विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण जैसी कहानियों तक ले जाती हैं।

ऋषभ शेट्टी की ‘द प्राइड ऑफ भारत’ : 2027 की लिस्ट में द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज भी शामिल है, जिसमें ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

अभी तक बन चुकी हैं ये बायोपिक फिल्में

- दंगल
- मांग मिच्छा मांग
- पान सिंह तोमर
- मैरी कॉम
- एमएस धोनी: द अनटॉल्ड स्टोरी
- गुंजन सक्सेना
- सुपर 30
- सरबजीत
- संजू
- अजहर

कई कॉलोनियों में रात होते ही छा जाता है अंधेरा, जिम्मेदारों की निगरानी पर सवाल



रिहायशी चार इमली में स्ट्रीट लाइट बंद: बंगलों में रोशनी, सड़कों पर अंधेरा

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

शहर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को लेकर नगर निगम के दावे लगातार सामने आते हैं, लेकिन कई इलाकों में रात होते ही हकीकत कुछ और नजर आती है। कॉलोनियों और मुख्य सड़कों के किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें समय पर नहीं जलने से लोगों को अंधेरे में आवाजाही करने पड़ रही है। कई जगह स्ट्रीट लाइट बंद रहने के कारण सड़क के दोनों ओर काफी दूरी तक अंधेरा पसरा रहता है।

ग्राउंड पर स्थिति यह है कि शाम होने के बाद जिन सड़कों पर रोशनी की जरूरत सबसे ज्यादा होती है, वहीं चार ईमली कॉलोनी में कई पोल पर लगी लाइटें बंद नजर आती हैं। कुछ स्थानों पर लाइटें खराब हैं तो कहीं समय पर चालू नहीं की जा रही हैं। इससे सड़क पर



आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार अंधेरे का फायदाकर चोरी हो जाती है लेकिन उसके बाद भी निगम विद्युत विभाग सो रहा है, हालांकि कई बार निगम द्वारा अनदेखा किया जाता है जिसका हरजाना कॉलोनी के रहवासियों को उठाना पड़ता

है। लोगों कि शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाए अपनी जिम्मेदारी भागता नजर आता है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि जब शहर में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और उसके रखरखाव के लिए जिम्मेदारी तय है, तो खराब लाइटों की नियमित निगरानी क्यों नहीं हो रही।

लाइटों को ठीक करने में समय लग रहा है

शिकायत के बाद भी कई जगह लाइटों को ठीक करने में समय लग रहा है। वहीं, कुछ वीआईपी और अधिकारियों के बंगलों वाले इलाकों में पर्याप्त रोशनी नजर आती है। ऐसे में आम कॉलोनियों की सड़कों और प्रमुख अधिकारियों के आवासीय क्षेत्रों की रोशनी व्यवस्था में अंतर को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।



रखरखाव की व्यवस्था

शहर के कई हिस्सों में ऐसी स्थिति सामने आने के बाद स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की निगरानी और रखरखाव की व्यवस्था पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। जरूरत इस बात की है कि निगम केवल शिकायत आने के बाद लाइट ठीक कराने के बजाय नियमित निरीक्षण कर बंद लाइटों को समय पर चालू कराए, ताकि रात में लोगों को अंधेरे से परेशानी न हो। विद्युत अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता का कहना है कि पहले आवेदन फिर होगी कार्रवाई, जब तक आवेदन तब तक कार्रवाई नहीं होगी

खबर संक्षेप



पीपुल्स यूनिवर्सिटी में रैसिपी बुक का विमोचन

भोपाल। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पीपुल्स यूनिवर्सिटी के पीपुल्स इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, पाक कला एवं अनुप्रयुक्त पोषण विभाग द्वारा 'भारत के स्वाद - स्ट्रीट फिएस्टा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के ख्योंजनों के खाद्य स्टॉल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, क्षेत्रीय परिधान तथा पारंपरिक एवं स्वास्थ्यवर्धक पेय आकर्षण का केंद्र रहे।

डीईओ ऑफिस में लगा समाधान शिविर



भोपाल। रविवार को राजधानी स्थित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अमस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्वाइंट डायरेक्टर भोपाल संभाग ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में करीब 46 मामले आए, जिनकी समस्याओं का निराकरण किया।

सीएम ने स्व. सिंहल के जन्म शताब्दी समारोह को किया संबोधित

राष्ट्र की एकात्मता के लिए सिंहल का योगदान अतुलनीय व अविस्मरणीय

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रसेवा, विश्व हिंदू परिषद के शीर्ष नेता और सामाजिक समरसता, एकात्मता की भावना सशक्त बनाने वाले स्व. अशोक सिंहल की सेवाएं सदैव याद रखी जाएंगी। मप्र सरकार विश्व हिंदू परिषद को स्व. सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन और परिषद के सामाजिक समरसता कार्यक्रम में राज्य सरकार करेगी सहयोग



इन्होंने भी शिरकत की

संस्कृति, राष्ट्रनीति और जातिगत सद्भाव को बढ़ाने में राष्ट्र के नागरिकों ने भी पूरा सहयोग दिया। आज धारा 370 की समाप्ति और आतंकवाद, नक्सलवाद की समाप्ति जैसे कार्य हुए हैं। देश में तीव्र विकास का वातावरण बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान की अवधारणा को जमीन पर उतारते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की पहल की गई। गौशालाओं को सहयोग, उन्नत नस्ल की बड़िया देंगे, मथुरा में भगवान कृष्ण मुस्कराएंगे मध्यप्रदेश में घर-घर गोपाल का विचार लोकप्रिय हो रहा है।

कार्यक्रम को रामप्रवेश देवाचार्य महाराज, गुफा मंदिर धाम, भोपाल और सुदेश शांडिल्य महाराज पीठाधीश्वर करुणाधाम आश्रम, विनायक राव देसाय, केंद्रीय सह संगठन महामंत्री, चौधरी ओ पी. गोदिया, राष्ट्रीय कल्याण अध्यक्ष, वाल्मीकि महासभा और स्व. सिंहल के निकट सहयोगी परिषद के पूर्व पदाधिकारी और म.प्र. वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयमान सिंह पटैया ने संबोधित किया। कार्यक्रम में श्री अशोक पांडे प्रांत संघ संचालक, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पूछू बुद्ध भूषण भदंत, रानी कमलापति बुद्ध विहार, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा के अलावा भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठनों के पदाधिकारी और नागरिक मौजूद थे।

मां के गर्भ से आने के बाद शरीर में होता है पल-पल बदलाव हमारा शरीर लघु ब्रह्मांड, इसे सदैव स्वस्थ रखना हमारी जिम्मेदारी: सीएम डॉ यादव

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि परमात्मा की कृपा से हमारा शरीर स्वयं में एक लघु ब्रह्मांड के रूप में है। मां के गर्भ से आने के बाद हमारा शरीर पल-पल बदलता रहता है। शरीर की यही विशेषता है कि हम केवल आंखों से ही नहीं, बल्कि शरीर के विभिन्न अंगों और स्पर्श के माध्यम से भी चीजों को अनुभव कर पहचान सकते हैं। शरीर को स्वस्थ एवं निरोग रखने में नियमित व्यायाम और योग का विशेष महत्व है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को दशहरा मैदान पर आयोजित पंच मेराथन दौड़ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर स्वयं योगासन भी किए और उपस्थित प्रतिभागियों एवं योग साधकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उज्जैन में भगवान महाकाल विराजमान हैं, उसी प्रकार हमारे शरीर में भी एक महाकाल का वास है।



हमें प्रकृति और पेड़ों से ऑक्सीजन प्राप्त होती है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें प्रकृति और पेड़ों से ऑक्सीजन प्राप्त होती है, इसलिए पेड़ लगाना और प्रकृति की रक्षा करना भी हमारा धर्म है। स्वस्थ शरीर के लिए जिस प्रकार योग और व्यायाम आवश्यक है, उसी प्रकार स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण भी जरूरी है।

हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं

श्राद्ध पक्ष के दौरान हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि पितरों के स्मरण एवं उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए देश में गयाजी, प्रयागराज और उज्जैन का शिप्रा तट पर स्थित श्री सिद्धवट विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

लोगों ने चोरों को वोट देना बंद कर दिया है: मिश्रा

भोपाल। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी के चुनाव आयोग व वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि वोट चोरी नहीं हो रहे हैं। जनता जागरूक हो गई है, इसलिए उसने अब चोरों को वोट देना बंद कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की भी मांग की। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 90 से अधिक चुनाव कांग्रेस हार चुकी है। इसलिए अपनी साख बचाने और उनके नेतृत्व पर सवाल न उठ जाए, इसलिए वह कभी हाइड्रोजन बम लेकर आते हैं, कभी सुतली बम। उनके बम आखिर में फुस्स निकलते हैं। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि अब राहुल गांधी वोट चोरी के लिए एसआईआर को दोषी बता रहे हैं। इसका मतलब ईवीएम से वोट चोरी के आरोप उनके झूठ साबित हुए। अभी तक वह ईवीएम से वोट चोरी का प्रलाप कर रहे थे। देश की जनता से झूठ बोलकर भ्रम फैला रहे थे।

गौरीशंकर रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित की आम सभा आयोजित



हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

रविवार को गौरीशंकर रखरखाव सहकारी संस्था मर्यादित की आम सभा का गौरीशंकर परिसर में आयोजन किया गया। आम सभा में संस्था से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्यों के

गौरीशंकर आवासीय परिसर में निरंतर विकास कार्य करने का लिया संकल्प



बीच विचार-विमर्श किया गया। संस्था के सुचारु संचालन एवं गौरीशंकर परिसर के विकास से जुड़े विषयों पर सदस्यों ने अपने सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए। सभा में सहयोग के लिए सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। पारदर्शिता, समन्वय एवं एकजुटता

के साथ पूर्ण करेगे रहवासियों के हितसंस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भविष्य में भी आपसी सहयोग, पारदर्शिता, समन्वय एवं एकजुटता के साथ रहवासियों के हित एवं परिसर के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस अवसर पर

कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सराटे, सचिव मुकेश मिश्रा, कोषाध्यक्ष इन्दर सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष धर्मपाल फुसे, संचालक दिलीप यादव, अर्नता वर्मा, शेष नारायण शुक्ला, गुड्डिया देवी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

‘आंगन मिलन सेवा’ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में पहल भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल ग्वालियर पहुंचे, ‘आंगन मिलन सेवा’ में आंगनबाड़ी के बच्चों को पढ़न सामग्री वितरित कर बहनों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने रविवार को ग्वालियर में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम’ में शामिल होकर बच्चों को पढ़न सामग्री वितरित कर बहनों को सम्मानित किया एवं पौधरोपण किया।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को महाराजा मानसिंह मंडल के बूथ क्रमांक 292 पर सुना। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी

के नेतृत्व में राजनीति को सत्ता और स्वार्थ के बजाय जनसेवा का माध्यम बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास हुए हैं। आंगनबाड़ी के बच्चों के बीच सेवा और खुशियां बांटना बदलती राजनीतिक संस्कृति का उदाहरण है। ‘मन की बात’ कार्यक्रम “गागर में सागर” की तरह देश के अलग-अलग क्षेत्रों में हो रहे प्रेरणादायी कार्यों और नागरिक शक्ति को सामने लाता है। इस बार मप्र के युवाओं की ओर से स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख हुआ, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।



2014 के बाद आरा राजनीतिक संस्कृति में बड़ा बदलाव

भाजपा नेता अग्रवाल ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीतिक संस्कृति में बड़ा बदलाव आया है। पहले जन्मदिवस के आयोजनों में दिखावे और आडंबर को महत्व दिया जाता था, आज प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आंगनवाड़ी के बच्चों के बीच पहुंचकर सेवा और खुशियां बांटी जा रही हैं। यही बदलती राजनीतिक संस्कृति की तस्वीर है। उन्होंने कहा कि राजनीति जब जनसेवा का माध्यम बनती है, तो उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है और देश की दशा एवं दिशा में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

सेवा संकल्प अभियान में संकुल मिसरोद ने जिला स्तर पर प्राप्त किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में संकुल मिसरोद, भोपाल ने जिले के 49 संकुलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। शासकीय उच्चतर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिसरोद में प्राचार्य संध्या त्रिपाठी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ते हुए चित्रकला गतिविधि कराई गई। विद्यार्थियों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में आज के विद्यार्थी और युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संकुल स्तर पर इस संपूर्ण गतिविधि के सफल



संचालन एवं समन्वय में संकुल प्राचार्य संध्या त्रिपाठी, नोडल शिक्षक बबीता कुशवाह एवं विशाल मेहरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संकुल मिसरोद द्वारा प्राप्त जिला स्तर पर प्रथम स्थान केवल एक प्रतियोगिता की उपलब्धि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं

विद्यालयों के सामूहिक प्रयास, रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। विद्यार्थियों की चित्रकला में विकसित भारत-2047 के प्रति उनके सपनों, विचारों और आकांक्षाओं की झलक देखने को मिली।